Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 146 | शुक्रवार, 05 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पर्यटन को सांस्कृतिक पुनर्जागरण और रोजगार से जोड़ें: सीएम योगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और ज्ञान-विरासत का प्रतिनिधि प्रदेश है। इसलिए पर्यटन विकास को केवल आधारभूत ढांचे तक सीमित न रखकर उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर आगे बढ़ाया जाना चाहिए। गुरुवार को पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन प्रदेश की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान और सेवा क्षेत्र को व्यापक अवसर मिलेंगे।

बैठक में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े ह्यज्ञान भारतम्‌मिशनह्न की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन पांडुलिपियां भारत की सभ्यता, दर्शन और वैज्ञानिक परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। इनके संरक्षण और डिजिटलीकरण से नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ सकेगी। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 13.70 लाख से अधिक पांडुलिपियों का सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण किया जा चुका है। पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने निवेश और अनुभव आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट और बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट विकसित करने के साथ-साथ ह्यपरंपराह्न विरासत अनुभव केंद्र, कृषि पर्यटन और वाइनयार्ड पर्यटन जैसी नई अवधारणाओं को प्रोत्साहित करने पर विचार किया गया। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में नव-लोकार्पित नौसेना शौर्य वाटिका और निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजनाएं युवाओं में राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव की भावना को मजबूत करेंगी। वहीं आगरा में निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय में उनके जीवन, स्वराज्य स्थापना, आगरा प्रवास और सुशासन की अवधारणा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। नैमिषारण्य के विकास की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने इसे वैदिक ज्ञान, योग, आयुर्वेद और वेलनेस का वैश्विक केंद्र बनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि यहां धार्मिक आस्था, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। मास्टर प्लान के तहत वेद विज्ञान केंद्र, वैदिक थीम पार्क, रिवरफ्रंट, तीर्थयात्री आवास और इंटरप्रिटेशन सेंटर विकसित किए जाएंगे। मिजार्पुर-विंध्याचल क्षेत्र के लिए तैयार हो रहे मास्टर प्लान की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने त्रिकोण परिक्रमा क्षेत्र के समग्र विकास पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि शक्तिपीठों के निकट माता सती की पौराणिक कथा का आकर्षक और प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया जाए। बैठक में चित्रकूट स्थित प्राचीन सोमनाथ मंदिर के संरक्षण कार्यों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में उनके मूल स्वरूप और ऐतिहासिक प्रामाणिकता को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

टीएमसी में बड़ी बगावत, मेयर का इस्तीफा! ममता बनर्जी के सामने अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक संकट?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। हाल ही में संपन्न हुए राज्य चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हाथों करारी हार के कुछ दिनों बाद, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पश्चिम बंगाल में सत्ता खोने के बाद अपने विधायी रैंकों में विद्रोह से जूझ रही है। स्पीकर द्वारा 58 बागी टीएमसी विधायकों को प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मान्यता देने के बाद, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है। अब पार्टी को अपने शहरी राजनीतिक ढांचे में एक नई चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि प्रमुख महापौर पदों पर आसीन वरिष्ठ नेताओं के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। स्पीकर रथेंद्र नाथ बोस ने विधायक ऋतब्रता बनर्जी के नेतृत्व में 58 बागी टीएमसी विधायकों को प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मान्यता दी। बागी विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर तानाशाही तरीके से काम करने का आरोप लगाया है और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की भूमिका को खुले तौर पर चुनौती दी है। इस पृष्ठभूमि में, टीएमसी के सबसे प्रभावशाली शहरी नेताओं में से एक, कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं, जिनका कथित इस्तीफा अभी भी अधर में लटका हुआ है। इस सप्ताह की शुरूआत में, टीएमसी विधायक कुणाल घोष ने घोषणा की कि पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने हकीम के इस्तीफे के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। घोष के हवाले से बताया गया कि उस समय उनसे इस्तीफा न देने का अनुरोध किया गया था। हालांकि, उन्होंने आज ममता बनर्जी से फिर से इस्तीफा देने की अनुमति मांगी, जिसके बाद ममता बनर्जी मान गईं। हालांकि, समाचार एजेंसी के अनुसार, इस्तीफा अभी तक औपचारिक रूप से कोलकाता नगर निगम (केएमसी) तक नहीं पहुंचा है। केएमसी अध्यक्ष माला रॉय ने कहा, मुझे अभी तक फिरहाद हकीम का इस्तीफा नहीं मिला है।

दोस्त हो तो रूस जैसा हो

भारत को सौंपी S-400 की 4th स्क्वाड्रन, आसमान में अभेद्य रक्षा कवच तैयार, दुश्मन मिसाइलें हवा में होंगी तबाह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। भारत ने आखिरकार अपनी वायु सुरक्षा दीवार को और घातक बना दिया है। रूस निर्मित एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की चौथी स्क्वॉड्रन भारत पहुंच चुकी है और इसके साथ ही दुश्मनों की नींद उड़ना तय माना जा रहा है। समुद्री मार्ग से भारत पहुंचे इस अत्याधुनिक रक्षा कवच को जल्द ही पश्चिमी मोर्चे पर तैनात किया जाएगा, जहां पाकिस्तान की हरकतों और चीन की विस्तारवादी चालों पर नजर रखते हुए इसे रणनीतिक रूप से लगाया जाएगा। हम आपको बता दें कि वर्ष 2018 में भारत और रूस के बीच हुए लगभग पांच अरब डॉलर के समझौते के तहत पांच एस-400 स्क्वॉड्रन भारत को मिलनी थीं। तीन स्क्वॉड्रन पहले ही भारतीय वायु रक्षा ढांचे में शामिल हो चुकी हैं, जबकि यूक्रेन युद्ध के कारण बाकी दो की आपूर्ति में देरी हुई। अब चौथी स्क्वॉड्रन के पहुंचने के साथ भारत की बहुस्तरीय वायु सुरक्षा क्षमता और मजबूत हो गई है। पांचवीं और अंतिम स्क्वॉड्रन भी निर्धारित समय के भीतर पहुंचने की उम्मीद है। हम आपको याद दिला दें कि एस-400 ने पिछले वर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान अपनी असली ताकत दिखाई थी। पाकिस्तान द्वारा दागी गई मिसाइलों को हवा में तबाह करने के साथ इस प्रणाली ने तीन सौ चौदह किलोमीटर दूर दुश्मन के एक उच्च मूल्य निगरानी विमान को मार गिराकर इतिहास रच दिया था। यह दुनिया में अब तक की सबसे लंबी दूरी की सतह से हवा में मार गिराने वाली कार्रवाई मानी जा रही है। इससे साफ हो गया कि भारत अब दुश्मन के इरादों को सीमा पार ही कुचल देने की क्षमता रखता है। हम आपको बता दें कि भारत ने अपनी पहली तीन स्क्वॉड्रन पंजाब जम्मू क्षेत्र, राजस्थान गुजरात क्षेत्र और सिक्किम सेक्टर में तैनात कर रखी हैं। इनकी तैनाती ने पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर एक त्रिकोणीय सुरक्षा कवच तैयार कर दिया है। चौथी स्क्वॉड्रन भी संभवतः पश्चिमी मोर्चे पर तैनात होगी, ताकि पाकिस्तान की किसी भी दुस्साहसिक हरकत को जन्म लेते ही खत्म किया जा सके। देखा जाये तो एस-400 केवल एक मिसाइल प्रणाली नहीं, बल्कि दुश्मन के लिए चलता फिरता काल है। इसकी निगरानी क्षमता छह सौ किलोमीटर तक फैली हुई है। यह लड़ाकू विमानों, क्रूज मिसाइलों, बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन जैसे अनेक खतरों को एक साथ पहचानकर उन्हें अलग अलग ऊंचाई और दूरी पर नष्ट कर सकती है। एक मानक स्क्वॉड्रन में आठ से बारह मोबाइल प्रक्षेपक वाहन होते हैं और हर वाहन में चार मिसाइल ट्यूब लगी होती हैं। इस प्रकार एक स्क्वॉड्रन एक समय में 48 मिसाइलें दागने के लिए तैयार रहती है, जबकि पुनर्भरण व्यवस्था के साथ यह संख्या एक सौ अट्ठाइस तक पहुंच सकती है। सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अब इस प्रणाली को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निर्णय सहायता तकनीक से जोड़ा जा रहा है। इसका मतलब है कि दुश्मन के विमानों, ड्रोन, बैलिस्टिक मिसाइलों और क्रूज मिसाइलों की पहचान और प्राथमिकता तय करने में मशीन आधारित विश्लेषण मदद करेगा। इससे प्रतिक्रिया समय घटेगा और इंटरसेप्टर मिसाइलों का इस्तेमाल और अधिक सटीक हो सकेगा।

'पैनिक फैलाना बंद करो', ईरान युद्ध के बीच राहुल गांधी ने दी 'आर्थिक सुनामी' की चेतावनी, बीजेपी ने किया पलटवार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने गुरुवार को राहुल गांधी की भारत के लिए 'आर्थिक सुनामी' की चेतावनी का कड़ा जवाब दिया और इसे डर फैलाने की पुरानी चाल कहकर खारिज कर दिया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने मध्य पूर्व में बिगड़ती स्थिति और भारत पर इसके संभावित असर को लेकर चिंता जताई थी। इसका तीखा जवाब देते हुए बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने राहुल के दावों को खारिज कर दिया और तर्क दिया कि भारत ईरान युद्ध से होने वाले किसी भी आर्थिक नुकसान का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

'भारत बेसहारा नहीं'

कई आर्थिक और रणनीतिक संकेतकों का हवाला देते हुए मालवीय ने जोर देकर कहा कि मिडिल-ईस्ट में चल रहे संकट के बीच 'भारत बेसहारा नहीं है।' एक्स पर एक पोस्ट में मालवीय ने राहुल के दावों का मुकाबला करने के लिए कई आर्थिक संकेतकों का हवाला दिया। उन्होंने

कहा कि मई 2026 में ई-वे बिल जेनरेशन में 12.9% की बढ़ोतरी हुई, जबकि मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर की गतिविधियां मजबूत बनी रहीं, जिनका PMI स्कोर क्रमशः 56.6 और 58.9 रहा।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 3.48% रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक के लक्ष्य से कम थी, जबकि वित्त वर्ष 26 में कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) का प्रवाह रिकॉर्ड 94.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारत के बाहरी क्षेत्र की मजबूती की ओर इशारा करते हुए मालवीय ने कहा कि पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और मजबूत सर्विस एक्सपोर्ट ने वैश्विक अस्थिरता के बीच स्थिरता बनाए रखने में मदद की है।

मालवीय ने कहा, 'ये ऐसी अर्थव्यवस्था के संकेत नहीं हैं जिसमें झटकों को सहने की क्षमता न हो। ये लचीलेपन के संकेत हैं। सरकार ने नागरिकों, व्यवसायों और नौकरियों की सुरक्षा के लिए सीधे कदम भी उठाए हैं।' बीजेपी नेता ने उपभोक्ताओं और व्यवसायों को वैश्विक आर्थिक झटकों से बचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'जब वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं तो पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती ने उपभोक्ताओं को राहत दी। घरेलू उपलब्धता को सुरक्षित रखने और महंगाई को काबू में रखने के लिए जरूरत पड़ने पर सप्लाई-साइड हस्तक्षेप और निर्यात पर प्रतिबंध जैसे कदम उठाए गए।

ECLGS 5.0 के जरिए MSME को 100% गारंटी कवरेज मिलता है, जबकि गैर-टरटए और एयरलाइंस को 90% कवरेज मिलता है। पात्र उधारकर्ताओं के लिए पीक वर्किंग कैपिटल के 20% तक की अतिरिक्त क्रेडिट सहायता उपलब्ध है, जिसकी ऊपरी सीमा 100 करोड़ रुपये है।'

राजनाथ सिंह का गेम चेंजर फैसला, सशस्त्र बलों को मिली 1.25 लाख करोड़ की वित्तीय स्वतंत्रता, राष्ट्र सुरक्षा होगा मजबूत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा सेवाओं को वित्तीय शक्तियां सौंपने संबंधी विधेयक (डीएफपीडीएस-2026) जारी किया, जिससे 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक मूल्य की राजस्व संबंधी खरीद के लिए वित्तीय शक्तियां काफी बढ़ गई हैं। इस घोषणा के साथ ही सिंह ने कहा कि यह नया ढांचा एक महत्वपूर्ण सुधार है जिसका उद्देश्य फील्ड कमांडरों को सशक्त बनाना, निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करना और सशस्त्र बलों की परिचालन तत्परता को मजबूत करना है।

रक्षा मंत्री ने एक पोस्ट में कहा कि मैं रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों को 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक मूल्य की राजस्व संबंधी खरीद के लिए नई वित्तीय शक्तियां सौंपने संबंधी विधेयक (डीएफपीडीएस-2026) के तहत बढ़ी हुई वित्तीय शक्तियां प्राप्त करने पर बधाई देता हूं। सुधारों के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए सिंह ने कहा कि संशोधित ढांचा जमीनी स्तर पर तैनात कमांडरों को त्वरित खरीद निर्णय लेने में सक्षम

बनाएगा, जिससे परिचालन तत्परता और दक्षता में सुधार होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह नीति रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने और विदेशी मूल उपकरण निमार्ताओं (ओईएम) पर निर्भरता कम करने के लिए बनाई गई है।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और स्टार्टअप सहित निजी उद्योग की रक्षा विनिर्माण और नवाचार में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करके सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण बढ़ावा देगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सैन्य तंत्र के भीतर स्वदेशीकरण और अनुसंधान एवं विकास के लिए आवंटित वित्तीय शक्तियों को दोगुना कर दिया गया है। इस कदम से विदेशी आपूर्तिकताओं पर निर्भरता कम होने और घरेलू रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की उम्मीद है।

संशोधित अधिकार क्षेत्र से मौजूदा बजटीय आवंटन के अनुरूप राजस्व मार्ग से 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीद को सुगम बनाया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, सेना, नौसेना और वायु सेना के कमांडरों को दी गई विशेष वित्तीय शक्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिसमें तत्काल परिचालन आवश्यकताओं के लिए उपलब्ध कुल सीमा में 100 प्रतिशत की वृद्धि शामिल है।

मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल के आईसीयू में भीषण आग लगने से तीन मरीजों की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। यहाँ के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित 'प्रसाद अस्पताल' के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) में बृहस्पतिवार तड़के भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम तीन मरीजों की दम घुटने और झुलसने से मौत हो गई है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में चीख-पुकार मच गई। अस्पताल प्रशासन से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने की मुख्य वजह आईसीयू वार्ड में हुआ शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे आईसीयू वार्ड में गहरा काला धुआं भर गया। धुएं के गुबार के कारण वहां भर्ती मरीजों को बाहर निकालने और बचाव कार्य चलाने में टीम को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी ने तीन लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा, 'हमें तड़के अस्पताल में आग लगने की सूचना मिली। इस घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई है।' उन्होंने बताया कि आईसीयू में लगभग 13 से 15 मरीजों का इलाज चल रहा था, जिन्हें उनके परिजन अन्य अस्पतालों में ले गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा, 'हम मरीजों के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं। आग पर काबू पा लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।' अस्पताल प्रशासन के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर आशंका है कि आईसीयू वार्ड में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। आग तेजी से फैल गई, जिससे आईसीयू धुएं से भर गया और मरीजों को बाहर निकालने में काफी कठिनाई हुई। अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही बचाव अभियान शुरू कर दिया गया था। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि वह प्रशासन के साथ पूरा सहयोग कर रहा है तथा घटना की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, कुछ मरीजों के संबंध में जानकारी अभी एकत्र की जा रही है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

संपादक की कलम से

परदेस से आई उम्मीदें, दिल्ली की आग में राख हो गईं

ललित शर्मा
संपादक

कुछ त्रासदियाँ सिर्फ जानें नहीं लेतीं, वे इंसानियत की चेतना को भी झकझोर देती हैं। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे बी एंड बी (लैमन ग्रीन रेस्टोरेंट) में 3 जून 2026 की सुबह लगी आग ऐसी ही एक त्रासदी बन गई। कुछ ही घंटों में 21 लोगों की जिंदगी बुझ गई, जिनमें 17 विदेशी नागरिक शामिल थे। नाइजीरिया, मोजाम्बिक, बांग्लादेश और लाइबेरिया से आए मेडिकल टूरिस्ट और उनके परिजन यहां ठहरे थे। आग बेसमेंट के रेस्टोरेंट से शुरू हुई और देखते ही देखते पूरी इमारत में फैल गई। केवल एक निकास मार्ग और संभावित ऑक्सीजन सिलेंडरों के विस्फोट ने हालात को और भयावह बना दिया। लोग बचने के लिए खिड़कियों की ओर भागे, लेकिन कई के लिए कोई रास्ता नहीं बचा। यह हादसा केवल आग की घटना नहीं, बल्कि लापरवाही, अव्यवस्था और सुरक्षा नियमों की अनदेखी की दर्दनाक कीमत है। इस त्रासदी की जड़ आग नहीं, बल्कि वर्षों से जमा होती आ रही लापरवाही और नियमों की खुली अनदेखी थी। होटल को केवल 6 कमरों की अनुमति मिली थी, लेकिन वह 25 कमरों के साथ अवैध रूप से संचालित हो रहा था। न फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र था, न आपातकालीन निकास की व्यवस्था। पूरे पांच मंजिला भवन की सुरक्षा एक संकरे रास्ते के भरोसे छोड़ दी गई थी। मेडिकल टूरिज्म की आड़ में विदेशी मरीजों और उनके परिजनों को ठहराया तो गया, लेकिन उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाई नहीं गई। आग भड़कने के बाद बचावकर्मियों को घने धुएँ, भीषण गर्मी और सिलेंडर विस्फोटों के बीच राहत अभियान चलाना पड़ा, जिसमें 10 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। यह घटना केवल एक होटल की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता का प्रमाण है जहाँ सुरक्षा नियम अक्सर कागजों में दर्ज रहते हैं, जमीनी हकीकत में नहीं। हादसे बदलते हैं, लेकिन व्यवस्था की प्रतिक्रिया नहीं। हर बड़ी आग के बाद जांच बैठती है, रिपोर्ट तैयार होती है, कुछ गिरफ्तारियाँ होती हैं और फिर मामला धीरे–धीरे फाइलों में दफन हो जाता है। उपहार सिनेमा अग्निकांड, करोल बाग, अनाज मंडी, मुंडका और अब मालवीय नगर–हर त्रासदी एक जैसी चेतावनी देती है, फिर भी नतीजे वही रहते हैं। राष्ट्रीय भवन निर्माण संहिता (एनबीसी) और फायर सेफ्टी नियमों की चर्चा तो होती है, लेकिन उनका पालन शायद ही दिखता है। होटल मुख्य मालिक लवकेश बजाज (टिंकू) फरार हैं, पुलिस गैर–इरादतन हत्या की धाराओं में जांच कर रही है, मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं और प्रधानमंत्री ने मुआवजे की घोषणा की है। मगर सबसे बड़ा सवाल वही है–क्या इससे व्यवस्था बदलेगी? पिछले अनुभव बताते हैं कि अधिकांश मामलों में जवाब 'नहीं' ही रहा है। इलाज की तलाश में भारत आने वाले कई विदेशी नागरिक शायद यह नहीं जानते कि अस्पताल तक का सफर सुरक्षित हो सकता है, लेकिन ठहरने की जगह नहीं। मालवीय नगर की त्रासदी ने मेडिकल टूरिज्म के उस कमजोर और अनदेखे पक्ष को उजागर किया है, जहाँ सुरक्षा अक्सर मुनाफे के पीछे छूट जाती है। अवैध बीएंडबी, बिना फायर ऑडिट वाले होटल और सुरक्षा मानकों की अनदेखी मरीजों व उनके परिजनों को लगातार जोखिम में डाल रही है। विदेशी नागरिकों की मौत भारत की वैश्विक छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है, लेकिन इससे बड़ा सवाल उन भारतीय परिवारों की सुरक्षा का है, जो रोज ऐसे भवनों में ठहरते हैं।

जालिम दुनियां

उदय किशोर साह

कविता

ख्वाबों की पंख लगा चल गगन में उड़ जायें
बादलों की छाँव में एक बस्ती चलो बसायें
शांति सूकून हो और जहाँ पे मिले सम्मान
जालिम दुनियां में झुठी है अधुरी सी ज्ञान

नफरत की बयार में मन होता है परेशान
स्वार्थ की दलदल में फँस गया ये जहान
बच ना पायेगा अब इस जग में इन्सान
टुट बिखर गया सज्जनता की अरमान

रंगा सियार में कुछ पड़ोसी चैन से . सोता
ईष्या द्वेष की ये बीज है यहाँ पे . बोता
हैवानियत बन गई है इनकी असली पहचान
समूह में बैठ व्यंग करता है जग में शैतान

दादागिरी की चल पड़ी है यहॉ पे। लड़ाई
पानी के अन्दर जिसने भी है आग लगाई
मानवता की दफन हो गई वो है कब्रिस्तान
जहाँ पे मौन सोया है जग का सब हैवान

ज्ञान अधुरी पर ज्ञान बाँटता है बन ज्ञानी
मूरख समाज में सम्मान पाता है अज्ञानी
कोने में दुबक रोता है यहाँ पे। विद्वान
वाह रे विधाता वाह रे तेरी अनोखा विधान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन क्या आम परिवार भी विकास की दौड़ में साथ चल पा रहा है?

किशन भावनानी
लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत आज जब देश वैश्विक मंचों पर आर्थिक शक्ति, तकनीकी नेतृत्व और कूटनीतिक प्रभाव की बात कर रहा है, उसी समय करोड़ों परिवारों के सामने एक साझा चिंता खड़ी है,बच्चों की शिक्षा कितनी महंगी होगी,बीमारी आने पर इलाज कैसे होगा और कैंसर जैसी भयावह बीमारी से कैसे निपटा जाएगा?

यही तीन प्रश्न आज भारत की सामाजिक सच्चाई औरनीति-निर्माण की कसौटी बन चुके हैं।भारत इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में जिस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, वहां आर्थिक वृद्धि, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रभाव के साथ-साथ एक बड़ा प्रश्न लगातार उभर रहा है,क्या यह विकास आम नागरिक के जीवन को वास्तव में सुरक्षित, सुलभ और सम्मानजनक बना पा रहा है?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन उसके सकल घरेलू उत्पाद या वैश्विक रैंकिंग से नहीं,बल्कि इस बात से किया जाना चाहिए?

कि वहां का एक साधारण परिवार कितनी सहजता से शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं तक पहुंच पा रहा है। भारत में आज सस्ती शिक्षा और सस्ता इलाज केवल नीतिगत मुद्दे नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के अस्तित्व भविष्य और सामाजिक स्थिरता से जुड़े जीवन-मरण के प्रश्न बन चुके हैं।

अभी दो दिन पूर्व आरएसएस के सरसंघ चालक नें भी एक कार्यक्रम में कहा सस्ती शिक्षा व इलाज हर व्यक्ति की जरूरत है,कैंसर मरीज के अलावा उसके परिवार पर भी भयंकर त्रासदी लाता है।सभ्य समाज की आधारशिला - संयुक्त राष्ट्र,विश्व बैंक और विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह बार-बार स्वीकार किया गया है कि शिक्षा और स्वास्थ्य किसी भी देश की मानव पूंजी का मूल स्तंभ होते हैं।शिक्षा व्यक्ति को सोचने, निर्णय लेने और समाज में योगदान करने की क्षमता देती है, जबकि स्वास्थ्य उसे उस क्षमता का उपयोग करने योग्य बनाता है। यदि इनमें से कोई एक भी कमजोर हो, तो विकास की पूरी संरचना असंतुलित हो जाती है।

भारत में समस्या यह नहीं है कि शिक्षा और स्वास्थ्य की नीतियां नहीं हैं, बल्कि यह है कि उनकी लागत आम नागरिक की आय से कहीं अधिक तेजी से बढ़ी है अंतरराष्ट्रीय अनुभव और भारत की स्थिति यह हैं कि फिनलैंड, जर्मनी और नॉर्वे जैसे देशों में शिक्षा को सार्वजनिक निवेश के रूप में देखा जाता है,जहां उच्च शिक्षा तक लगभग निःशुल्क पहुंच उपलब्ध है।

इसके विपरीत भारत में सार्वजनिक शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता और संख्या मांग के अनुपात में कम है, जिससे निजी क्षेत्र को अत्यधिक विस्तार का अवसर मिला। यह स्थिति सामाजिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि प्रतिभा के बजाय आर्थिक क्षमता शिक्षा के अवसर तय करने लगती है।यह जानकारी मीडिया के संज्ञान से दी गई है।

साथियों बात अगर हम शिक्षा और स्वास्थ्य विकास नहीं जीवन का प्रश्न हैं, इसको समझने की करें तो, किसी भी देश में शिक्षा और स्वास्थ्य केवल सेवाएं नहीं होतीं,वे नागरिक की गरिमा, अवसर और भविष्य की गारंटी होती हैं। भारत में सस्ती शिक्षा और सस्ता इलाज अब केवल मध्यम वर्ग की मांग नहीं रहे, बल्कि गरीब, निम्न-मध्यम और यहां तक कि स्थिर आय वाले परिवारों के लिए भी जीवन की प्राथमिक जरूरत बन चुके हैं।एक बच्चा यदि पढ़ नहीं पाता, तो उसका भविष्य सीमित हो जाता है। और यदि कोई बीमार पड़ जाए, तो पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में डूब जाता है।

महंगी होती शिक्षाः सपनों पर भारी फीस-भारत में शिक्षा को संविधान ने मौलिक अधिकार माना, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अच्छी शिक्षा अब क्षमता से अधिक खर्च मांग रही है।

निजी स्कूलों की फीस, किताबें, कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाएं,इन सबने मिलकर शिक्षा को एक दीर्घकालिक आर्थिक दबाव में बदल दिया है। आज एक औसत परिवार अपने बच्चे की पढ़ाई के लिए कर्ज लेने को मजबूर है। यह स्थिति केवल परिवार की बचत नहीं, बल्कि समाज की समानता को भी कमजोर करती है।

साथियों बात अगर हम स्वास्थ्य सेवाःइलाज या आर्थिक तबाही? इसको समझने की करें तो,भारत में बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आर्थिक आपदा बन चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, इलाज पर होने वाला अधिकांश खर्च सीधे परिवार की जेब से जाता है। इसका अर्थ है,एक गंभीर बीमारी पूरे परिवार को वर्षों पीछे धकेल सकती है।

सरकारी योजनाएं मौजूद हैं, लेकिन उनकी पहुंच, क्षमता और भरोसे को लेकर अब भी बड़े सवाल बने हुए हैं।कैंसरः एक व्यक्ति की नहीं, पूरे परिवार की लड़ाई-कैंसर आज भारत में तेजी से बढ़ती बीमारी बन चुका है।

बदलती जीवनशैली, प्रदूषण, तंबाकू, तनाव और देर से जांच,इन सबने मिलकर कैंसर को राष्ट्रीय चुनौती बना दिया है।कैंसर का इलाज लंबा, महंगा और मानसिक रूप से थकाने वाला होता है। कई बार परिवार का कमाने वाला सदस्य बीमार पड़ता है और दूसरा सदस्य देखभाल के लिए नौकरी छोड़ देता है।

इस तरह कैंसर एक व्यक्ति की बीमारी नहीं, बल्कि पूरे परिवार का संघर्ष बन जाता है। रोकथाम ही सबसे सस्ता इलाज-अंतरराष्ट्रीय अनुभव साफ बताते हैं,कैंसर की रोकथाम और समय पर जांच इलाज से कहीं अधिक प्रभावी और सस्ती है। नियमितस्क्रीनिंग, जन-जागरूकता, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की मजबूती और जीवनशैली में सुधार से कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। भारत को अब इलाज-केंद्रित सोच से आगे बढ़कर रोकथाम-केंद्रित स्वास्थ्य नीति अपनानी होगी।भारत में स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च दुनिया के कई देशों की तुलना में जेब से सीधे अधिक है।

एक गंभीर बीमारी अक्सर केवल रोगी को नहीं, बल्कि पूरे परिवार को आर्थिक रूप से बीमार कर देती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में हर साल लाखों लोग केवल इलाज के खर्च के कारण गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। यह तथ्य अपने- आप में बताता है कि सस्ता इलाज केवल स्वास्थ्य नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि गरीबी उन्मूलन और सामाजिक सुरक्षा का अनिवार्य हिस्सा है। कैंसर, एक बीमारी नहीं, एक सामाजिक संकट हैं, पिछले कुछ वर्षों में भारत में कैंसर के मामलों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है।

शहरीकरण, प्रदूषण, असंतुलित आहार, तंबाकू सेवन,तनावपूर्ण जीवन शैली और देर से निदान,ये सभी मिलकर कैंसर को एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

कैंसर का असर केवल शरीर तक सीमित नहीं रहता; यह परिवार की मानसिक शांति, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक संरचना को गहराई से प्रभावित करता है।कैंसर इलाज की लागत और परिवार पर प्रभावभारत में कैंसर का इलाज अत्यंत महंगा है।

कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और सर्जरी की लागत कई परिवारों की सालों की आय के बराबर होती है। इलाज के दौरान परिवार का कोई सदस्य अक्सर काम छोड़ने को मजबूर होता है, जिससे आय और घट जाती है। इस प्रकार कैंसर एक व्यक्ति की बीमारी न रहकर पूरे परिवार की भयंकर सामूहिक त्रासदी बन जाता है।

साथियों बात अगर हम शिक्षा और स्वास्थ्य का सीधा सम्बंध इसको समझने की करें तो,भारत में सस्ती शिक्षाः सपना या सुलभ अधिकार? स्वतंत्रता के समय भारत ने शिक्षा को सामाजिक न्याय का माध्यम माना था। संविधान के अनुच्छेद 21-ए ने शिक्षा को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया,किंतु व्यवहारिक स्तरपर उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा लगातार महंगी होती चली गई। निजी स्कूलों और कॉलेजों की बढ़ती फीस, कोचिंग संस्कृति, और प्रतियोगी परीक्षाओं की लागत ने शिक्षा को एक आर्थिक बोझ में बदल दिया है।

आज एक मध्यम वर्गीय परिवार के लिए अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा दिलाना कई बार जीवन की सारी बचत और कर्ज पर निर्भर हो जाता है। शिक्षित समाज अधिक स्वास्थ्य-जागरूक होता है।स्वस्थ नागरिक बेहतर शिक्षा और उत्पादकता में योगदान देता है। और जब बीमारी का बोझ कम होता है, तो परिवार शिक्षा, नवाचार और भविष्य पर निवेश कर पाता है।

यानें सस्ती शिक्षा और सस्ता इलाज मिलकर एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखते हैं। परिवार पर पड़ता तिहरा असर-जब शिक्षा महंगी होती है, इलाज महंगा होता है और कैंसर जैसी बीमारी दस्तक देती है,तो असर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। (1) परिवार की बचत खत्म होती है (2) बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है (3) मानसिक तनाव पीढ़ियों तक असर डालता है,यही कारण है कि ये मुद्दे केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास से जुड़े प्रश्न बन जाते हैं।

साथियों बात अगर हम नीति-निमार्ताओं के सामने स्पष्ट संदेश इसको समझने की करें तो,अब समय आ गया है कि(1) शिक्षा को खर्च नहीं, राष्ट्रीय निवेश माना जाए (2) स्वास्थ्य को दया नहीं, अधिकार समझा जाए (3) कैंसर को बीमारी नहीं बल्कि सख़्त नीति आपातकाल की तरह देखा जाए।

भारत की वास्तविक शक्ति उसके परिवार हैं, और परिवार तभी मजबूत होंगे, जब शिक्षा सुलभ और इलाज सस्ता होगा।भारत की वैश्विक छवि और आंतरिक सच्चाई भारत विश्वगुरु बनने की बात करता है। लेकिन कोई भी देश तब तक नैतिक नेतृत्व नहीं कर सकता, जब तक उसके नागरिक शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए संघर्षरत हों। सस्ती शिक्षा, सस्ता इलाज और कैंसर पर ठोस रणनीति यही भारत को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय महाशक्ति बनाएगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि,अब देरी की गुंजाइश नहीं, सस्ती शिक्षा, सस्ता इलाज और कैंसर की प्रभावी रोकथाम ये तीनों मिलकर भारत की मानव- केंद्रित विकास यात्रा को सही दिशा दे सकते हैं।

यही वह रास्ता है, जो भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति नहीं,बल्कि एक स्वस्थ, शिक्षित और संवेदनशील राष्ट्र बना सकता है। यदि अभी ठोस, वैज्ञानिक और मानवीय रणनीति नहीं अपनाई गई,तो आने वाले वर्षों में इसकी कीमत केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि टूटते परिवारों और बिखरते सपनों में चुकानी पड़ेगी। सस्ती शिक्षा, सस्ता इलाज और कैंसर की प्रभावी रोकथाम बजट 2026 में ही रणनीति दिखने की जरूरत है यही भारत की अगली बड़ी छलांग का आधार है। ऐसी अपेक्षा हम करते हैं।

विश्व व्यवस्था का विघटनः क्या सभ्यता एक नये अंधकार युग की ओर बढ़ रही है?

एन०के०शर्मा
लेखक

कभी मानव सभ्यता ने स्वयं को इतना शक्तिशाली, इतना आधुनिक और इतना सुरक्षित नहीं माना था जितना आज मानती है। आकाश को चीरते उपग्रह, महासागरों को नापती परमाणु पनडुब्बियाँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संचालित मशीनें, पलभर में महाद्वीपों को जोड़ देने वाली संचार प्रणालियाँ और विज्ञान की अभूतपूर्व उपलब्धियाँ यह आभास कराती हैं कि मनुष्य ने प्रकृति, दूरी और समय पर लगभग विजय प्राप्त कर ली है। किंतु इतिहास का एक निर्मम सत्य है कि सभ्यताओं का पतन तब नहीं होता जब वे कमजोर होती हैं, बल्कि तब होता है जब वे स्वयं को अजेय समझने लगती हैं।

आज विश्व के चमकते महानगरों, ऊँची इमारतों, आर्थिक सम्मेलनों और तकनीकी उत्सवों के पीछे एक ऐसी बेचैनी पल रही है जिसे दुनिया खुलकर स्वीकार करने से बच रही है। यह बेचैनी केवल युद्धों, आर्थिक संकटों या राजनीतिक टकरावों की नहीं है। यह उस पूरी वैश्विक व्यवस्था के चरमराने की आहट है जिसने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया को अपेक्षाकृत स्थिर दिशा देने का दावा किया था। ऐसा प्रतीत होने लगा है कि मानवता विकास की सीढ़ियाँ चढ़ते-चढ़ते किसी ऐसे मोड़ पर पहुँच गई है जहाँ सभ्यता का बाहरी वैभव तो सुरक्षित दिखाई देता है, पर उसकी आत्मा गहरे संकट में है। दुनिया के लगभग हर भूभाग से एक जैसी खबरें आ रही हैं। कहीं सीमाएँ धधक रही हैं, कहीं लोकतंत्र अविश्वास से कराह रहा है, कहीं अर्थव्यवस्थाएँ अपने ही बोझ तले दब रही हैं, कहीं समाज विचारधाराओं में बँटकर एक-दूसरे के विरुद्ध खड़े हो गए हैं।

शक्तिशाली राष्ट्र शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों के सबसे बड़े बाजार चला रहे हैं। मानवाधिकारों की दुहाई देने वाले देश रणनीतिक हितों के आगे उन्हीं अधिकारों को कुचलते दिखाई देते हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ न्याय का वचन देती हैं, परंतु उनकी प्रभावशीलता दिन-प्रतिदिन घटती जा रही है। परिणामस्वरूप पूरी दुनिया में यह भावना जन्म ले रही है कि नियम अब सबके लिए समान नहीं रहे। सभ्यता का सबसे बड़ा आधार विश्वास होता है। जब नागरिक अपने शासकों पर विश्वास खो देते हैं, जब राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर विश्वास खो देते हैं, जब समाज मीडिया पर विश्वास खो देता है और जब मनुष्य स्वयं सत्य पर विश्वास खो देता है, तब किसी भी व्यवस्था की नींव हिलने लगती है। आज यही संकट सबसे अधिक भयावह रूप में सामने खड़ा है। एक समय था जब सूचना को ज्ञान का माध्यम माना जाता था। आज सूचना स्वयं एक युद्ध बन चुकी है। सत्य और असत्य के बीच की रेखा इतनी धुँधली हो चुकी है कि सामान्य नागरिक के लिए वास्तविकता को पहचानना कठिन होता जा रहा है। सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म भावनाओं को भड़काते हैं, डिजिटल मंच समाजों को खेमों में बाँटते हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ऐसे भ्रम रचने लगी है जिन्हें पहचानना विशेषज्ञों के लिए भी चुनौती बनता जा रहा है। मानव इतिहास में पहली बार ऐसा समय आया है जब झूठ केवल फैलाया नहीं जाता, बल्कि औद्योगिक स्तर पर निर्मित किया जाता है। और यह केवल तकनीकी संकट नहीं है। यह नैतिक संकट है। जिस दुनिया ने मानवता, करुणा और सहयोग के आदर्शों पर गर्व किया था, उसी दुनिया में आज संवेदनाएँ सिकुड़ती जा रही हैं। लाखों लोग युद्धों में मरते हैं, लाखों विस्थापित होते हैं, हजारों बच्चे भूख और हिंसा के बीच जीवन बिताते हैं, परंतु वैश्विक विमर्श कुछ दिनों की सुर्खियों के बाद आगे बढ़ जाता है। मानो पीड़ा भी अब उपभोग की वस्तु बन गई हो। मानव दुःख अब आँकड़ों में बदल दिया गया है और आँकड़ों में कभी चीखें सुनाई नहीं देतीं। दुनिया के आर्थिक ढाँचे पर दृष्टि डालें तो स्थिति और अधिक चिंताजनक दिखाई देती है।

संपत्ति का संकेन्द्रण इतिहास के सबसे ऊँचे स्तरों में से एक पर पहुँच चुका है। कुछ लोगों के पास इतना धन है कि वे छोटे देशों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं, जबकि अरबों लोग अपने बच्चों के भविष्य, रोजगार और मूलभूत आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। विकास के चमकदार नारों के पीछे असमानता की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि अवसरों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान की भी है। इतिहास बताता है कि जब समाज में यह विश्वास समाप्त हो जाता है कि मेहनत और प्रतिभा से जीवन सुधारा जा सकता है, तब असंतोष जन्म लेता है। यही असंतोष धीरे-धीरे क्रोध में बदलता है, और क्रोध अंततः व्यवस्था के विरुद्ध विद्रोह का रूप धारण कर लेता है। आज दुनिया के अनेक देशों में दिखाई देने वाला राजनीतिक ध्रुवीकरण इसी गहरे असंतोष की अभिव्यक्ति है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि वर्तमान संकट किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह बहुआयामी है। एक ओर परमाणु हथियारों से लैस राष्ट्र आमने-सामने खड़े हैं, दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन पृथ्वी की जीवन-व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। कहीं कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगारों को निगलने की आशंका पैदा कर रही है, तो कहीं जैविक और साइबर युद्धों की संभावनाएँ नई भयावहताओं को जन्म दे रही हैं। मानवता एक साथ इतने मोर्चों पर पहले कभी नहीं घिरी थी। विडंबना यह है कि विज्ञान ने हमें शक्ति दी, परंतु उस शक्ति का उपयोग कैसे करना है, इसकी नैतिक परिपक्वता विकसित नहीं हो सकी। तकनीक आगे बढ़ती रही, पर विवेक पीछे छूटता गया। साधन शक्तिशाली होते गए, पर उद्देश्य धुँधले होते गए। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे युग में प्रवेश करती दिखाई दे रही है जहाँ ज्ञान बढ़ रहा है, किंतु बुद्धिमत्ता घट रही है; सूचना बढ़ रही है, किंतु समझ कम हो रही है; सम्पर्क बढ़ रहा है, किंतु मानवीय निकटता समाप्त होती जा रही है।

सभ्यताओं के इतिहास का अध्ययन करने वाले विद्वान बार-बार चेतावनी देते रहे हैं कि किसी भी सभ्यता का पतन एक घटना नहीं होता, बल्कि एक प्रक्रिया होती है। पहले नैतिक मूल्य कमजोर पड़ते हैं। फिर संस्थाएँ अपना सम्मान खोती हैं। फिर समाज विभाजित होता है। फिर नेतृत्व दूरदर्शिता खो देता है। और अंततः व्यवस्था बाहर से नहीं, भीतर से टूट जाती है। यदि इस कसौटी पर वर्तमान विश्व को परखा जाए तो अनेक संकेत अत्यंत चिंताजनक दिखाई देते हैं। यह अंधकार केवल युद्धों का अंधकार नहीं होगा। यह विश्वास के विघटन का अंधकार होगा। यह उस समय का अंधकार होगा जब मनुष्य तकनीकी रूप से अत्यधिक विकसित होगा, परंतु नैतिक रूप से दिशाहीन। जब शहर जगमगाएँगे, पर हृदयों में असुरक्षा होगी। जब सूचनाएँ अनंत होंगी, पर सत्य दुर्लभ होगा। जब शक्तियाँ अपार होंगी, पर उद्देश्य खो चुके होंगे। मानव सभ्यता आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहाँ सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि दुनिया कितनी शक्तिशाली है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या दुनिया अभी भी पर्याप्त रूप से विवेकशील है। क्योंकि इतिहास ने बार-बार सिद्ध किया है कि सभ्यताओं को नष्ट करने के लिए हमेशा बाहरी शत्रु आवश्यक नहीं होते। कभी-कभी उनका अहंकार, उनका लालच, उनका नैतिक पतन और उनकी सामूहिक उदासीनता ही उनके विनाश के लिए पर्याप्त होती है। यदि वर्तमान पीढ़ी ने इस चेतावनी को अनसुना किया, यदि शक्ति को उत्तरदायित्व से, विकास को न्याय से और तकनीक को मानवता से जोड़ने का प्रयास नहीं किया गया, तो आने वाली शताब्दियाँ हमारे युग को मानव इतिहास के सबसे उन्नत युग के रूप में नहीं, बल्कि उस युग के रूप में याद कर सकती हैं जिसने सब कुछ होते हुए भी स्वयं को बचाने का अवसर खो दिया। तब शायद भविष्य के इतिहासकार यह लिखेंगे कि सभ्यता का पतन उस दिन शुरू नहीं हुआ था जब युद्ध छिड़े थे, बल्कि उस दिन शुरू हुआ था जब मनुष्य ने शक्ति को सत्य से, लाभ को नैतिकता से और प्रगति को मानवता से बड़ा मान लिया था। और यही वह क्षण था जब प्रकाश से भरी दुनिया ने अनजाने में अपने लिए एक नए अंधकार युग का द्वार खोल दिया।

विजिलेंस पुलिस ने छापेमारी कर चलाया चेकिंग अभियान छापेमारी से मचा हड़कंप

राजीव चौधरी

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर प्रभारी प्रवर्तन दल सहारनपुर विजिलेंस ने जानकारी देते हुए बताया सुल्तानपुर गांव में कई दिनों से चोरी व ओवरलोडिंग की शिकायत मिल रही थी पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश सर्तकता पावर कारपोरेशन लखनऊ महोदय के आदेशानुसार व पुलिस अधीक्षक महोदय सर्तकता शक्ति भवन लखनऊ, अपर पुलिस अधीक्षक महोदय डिस्कॉम मेरठ व पुलिस उपाधीक्षक महोदय सर्तकता सहारनपुर परिक्षेत्र सहारनपुर के कुशल निर्देशन में प्रभारी प्रवर्तन दल सहारनपुर उपनिरीक्षक रूपचन्द सिंह व नरेन्द्र कुमार अवर अभियन्ता प्रवर्तन दल सहारनपुर के कुशल

नेतृत्व में विजिलेंस पुलिस स्टाप टीम हेड कांस्टेबल अरूण कुमार, हेड कांस्टेबल जयकुमार, महिला हेड कांस्टेबल रूबी त्यागी, कांस्टेबल घनश्याम व कांस्टेबल अजय कुमार के साथ व प्रवीण बघेल अवर अभियन्ता ने विजिलेंस पुलिस टीम के साथ जनपद सहारनपुर के गांव सुल्तानपुर चिलकाना में संयुक्त विद्युत चेकिंग अभियान चलाया गया विजिलेंस टीम ने बिजली चोरों के खिलाफ छापेमारी करते हुए कई जगह छापेमारी की लंबे समय से बिजली चोरी को लेकर मिल रही शिकायतों की रोकथाम को लेकर विजिलेंस टीम ने बिजली चोरों के खिलाफ बड़े स्तर पर छापेमारी अभियान चलाया।

प्रवीण बेघेल अवर अभियंता ने कहा जो बिजली उपभोक्ता चोरी करता पाया जाएगा उनके खिलाफ भी बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं अनुबंधित भार से अधिक बिजली का इस्तेमाल न करने तथा सभी विद्युत उपकरणों को एक साथ न चलाने की अपील करते हुए बिजली चोरी की रोकथाम को लेकर आगे भी अभियान जारी रहने की बात कही। वहीं, बिजली चोरों के खिलाफ छापेमारी से बिजली चोरों में दिन भर हड़कंप मचा रहा। इस दौरान बिजली उपभोक्ता अब्दुल मलिक पुत्र अली हसन निवासी मौहल्ला कोठीवाला सुल्तानपुर थाना चिलकाना गुलजार पुत्र अली हसन निवासी मौहल्ला कोठीवाला सुल्तानपुर चिलकाना थाना चिलकाना अभियुक्त विद्युत चोरी करते पकडा गया, जिसके विरूद्ध थाना एण्टी पावर थैप्ट सहारनपुर में अभियोग पंजीकृत कराने की कार्यवाही की जा रही है।

पप्पू गुप्ता हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई, बिलसंडा थाना प्रभारी सिद्धांत शर्मा लाइन हाजिर

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जनपद के चर्चित पप्पू गुप्ता हत्याकांड में पुलिस विभाग ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए बिलसंडा थाना प्रभारी सिद्धांत शर्मा को लाइन हाजिर कर दिया है। मामले में लापरवाही और कानून-व्यवस्था को लेकर उठे सवालों के बीच पुलिस अधीक्षक सुकृति माधव मिश्रा ने यह निर्णय लिया। वहीं, बिलसंडा थाने की कमान अब सर्विलांस सेल प्रभारी जगदीप मलिक को सौंपी गई है। पप्पू गुप्ता हत्याकांड के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच काफी आक्रोश देखने को मिला था। घटना को लेकर लगातार पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने पूरे घटनाक्रम की समीक्षा की और प्रथम दृष्टया सामने आई लापरवाही के आधार पर थाना प्रभारी सिद्धांत शर्मा को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। एसपी सुकृति

माधव मिश्रा द्वारा की गई इस कार्रवाई को पुलिस विभाग में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी गंभीर मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उधर, बिलसंडा थाने की नई जिम्मेदारी संभालने वाले जगदीप मलिक को एक अनुभवी और तेजतर्रार अधिकारी माना जाता है। सर्विलांस सेल में रहते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों के खुलासे में अहम भूमिका निभाई है। अब क्षेत्र की जनता को उनसे बेहतर पुलिसिंग और अपराध नियंत्रण की उम्मीद है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जनपद में अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। साथ ही पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और संवेदनशील मामलों में पूरी सतर्कता बरती जाए। पप्पू गुप्ता हत्याकांड में अब तक पुलिस द्वारा कई आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है और मामले की जांच लगातार जारी है। पुलिस का दावा है कि शेष आरोपियों की तलाश भी तेजी से की जा रही है तथा जल्द ही पूरे प्रकरण का विधिक निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। जनपद पीलीभीत में हुई इस कार्रवाई को पुलिस प्रशासन की सख्त कार्यशैली और जवाबदेही तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हाफिजपुर पुलिस ने कुराना टोल प्लाजा पर खड़े वाहनों से स्टेफनी चोरी करने वाले तीन अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के थाना हाफिजपुर प्रभारी निरीक्षक अरविंद चौधरी की पुलिस टीम के द्वारा चोरों व वांछित बदमाशों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस ने हाईवे व टोल के आसपास खड़े ट्रैकों से स्टेफनी चोरी करने की घटना करने वाले तीन बदमाशों को चितौली अंडर पास से गिरफ्तार कर लिया है जिनकी निशान देही से चोरी की तीन स्टेफनी, अवैध असला व चाकू व घटना में प्रयुक्त कैंटर बरामद किया है।पुलिस ने बताया कि यह शातिर चोर हाईवे व टोल पर खड़े वाहनों से स्टेफनी निकाल लेते थे। शातिर आरोपी शाहिद पुत्र शरीफ निवासी रसीद नगर थाना लिसाड़ी गेट मेरठ, बिलाल पुत्र युसूफ निवासी श्याम नगर थाना लिसाड़ी गेट जनपद मेरठ, गुलफाम पुत्र फारूक निवासी ग्राम गक्खड़पुर थाना डिलारी जनपद मुरादाबाद है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन स्टेफनी, एक अवैध तमंचा मय एक जिंदा कारतूस 315 बोर, दो अवैध चाकू, घटना में प्रयुक्त आयशर कैंटर, चोरी करने के उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों पर भिन्न–भिन्न जनपदों में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज जा रहा है।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निदान के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है: जिलाधिकारी

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निदान के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है और उनकी सभी शिकायतों का प्रभावी ढंग से निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए सैनिक बंधु बैठक के रूप में जो प्लेटफार्म दिया है, जिला प्रशासन इसका भरपूर लाभ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि देश की सेवा करने वाले सैनिकों एवं उनके परिवारों के हितों का संरक्षण प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

उन्होंने सभी पूर्व सैनिक शिकायतकताओं की शिकायत को बहुत ही ध्यानपूर्वक सुना और सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के लिए कहा गया। बैठक में पूर्व सैनिकों द्वारा सड़क, भूमि विवाद, शस्त्र लाइसेंस, अवैध अतिक्रमण आदि के संबंध में शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गईं। उन्होंने प्राप्त शिकायतों के सापेक्ष शिकायतकताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन उनकी शिकायतों के समाधान के लिये गंभीर है और सभी समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समयपूर्वक तत्पर के साथ निस्तारण कराया जाएगा। बैठक के दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल गुप्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं पूर्व सैनिक बन्धु मौजूद रहे।

रसमलाई में कॉकरोच मिलने से मची खलबली क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हनुमान स्वीट्स

लुकमान खान

पूरनपुर/पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। तहसील में उस समय हड़कंप और आक्रोश का माहौल बन गया, जब सरकारी कार्यालय के लिए मंगाई गई मिठाई में कीड़े–मकौड़े मिले। शहर की जानी मानी मिठाई की दुकान ' होटल ' से मंगाई गई रसमलाई में एक मरा हुआ कॉकरोच मिलने से हड़कंप मच गया है। इस शर्मनाक घटना ने न केवल दुकान की स्वच्छता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि आम जनता की जान से खिलवाड़ को भी उजागर किया है। घटनाक्रम के मुताबिक, तहसीलदार के पेशकार संजीव कुमार ने दफ्तर के स्टाफ के लिए कस्बे के चर्चित स्वीट्स से रसमलाई ऑर्डर की थी। जब अमीन विनोद कुमार रसमलाई खाने के लिए आगे बढ़े, तो उनकी नजर दोने में तैर रहे मरे हुए कॉकरोच पर पड़ी। यह मंजर देखकर वहां मौजूद कर्मचारियों के होश उड़ गए और लोग घिन से भर गए। मामला तूल पकड़ते ही दुकान के मालिक वीरेंद्र जायसवाल को तलब किया गया। पकड़े जाने पर दुकानदार ने घिसी पिटी सफाई

देते हुए इसे कर्मचारियों की लापरवाही बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की और माफी मांग ली। लेकिन तहसील प्रशासन अब इस तरह की लापरवाही को माफ करने के मूड में बिल्कुल नहीं है। तहसील प्रशासन ने इसे बेहद गंभीरता से लिया है। अधिकारियों का साफ कहना है कि रसूख और नाम के आड़ में ग्राहकों की सेहत के साथ यह जानलेवा खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने अब खाद्य सुरक्षा विभाग को सख्त निर्देश दिए हैं कि दुकान की तुरंत जांच की जाए और मिठाई के नमूने लेकर कार्रवाई की जाए। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी स्वीट्स की गुणवत्ता को लेकर भारी गुस्सा है।

जनकल्याण सुरक्षा संघ के पदाधिकारी गरीबों की आवाज बुलंद करने में जुटे

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जनकल्याण सुरक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रह्मपाल सिंह अपने संगठन को मजबूत बनाने तथा समाज के गरीब, मजदूर और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को उठाने के लिए लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संगठन के माध्यम से वे जनहित के मुद्दों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे आम लोगों को न्याय और सुविधाएं मिल सकें।

संगठन के कार्यकताओं का कहना है कि ब्रह्मपाल सिंह संगठन के विस्तार, सामाजिक कार्यों और जनसमस्याओं के समाधान के लिए निरंतर मेहनत कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों की समस्याओं को सुनते हैं और संबंधित अधिकारियों तक उनकी बात पहुंचाने का प्रयास करते हैं। वहीं, जिला संगठन मंत्री लुकमान भी संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं। बताया जाता है कि वे 24 घंटे संगठन के कार्यों में सक्रिय रहते हैं तथा गरीब, मजदूर, शोषित और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया और शासन-प्रशासन के समक्ष उठाने का कार्य करते हैं।

संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि उनका मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना, सरकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए आवाज उठाना है। जनकल्याण सुरक्षा संघ लगातार सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभा रहा है और लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी प्रकार संगठन जनहित के कार्यों में सक्रिय बना रहा तो समाज के कमजोर वर्गों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक मजबूत मंच मिलता रहेगा। जनकल्याण सुरक्षा संघ के पदाधिकारी भविष्य में भी जनसेवा और समाज हित के कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कह रहे हैं।

जयपुर की महिला ने हापुड़ की सड़क पर काटा बवाल! शराब पीकर किया ऐसा हंगामा कि लग गया लंबा जाम,वीडियो वायरल

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के थाना हापुड़ क्षेत्र में मेरठ तिराहे पर एक महिला ने सरेराह ऐसा हाईवोल्टेज ड्रामा किया कि पुलिस के भी हाथ-पांव फूल गए। महिला ने शराब के ठेके से शराब खरीदी, जमकर जाम छलकाए और फिर सड़क के बीचों-बीच हंगामा करना शुरू कर दिया।इस ड्रामे की वजह से सड़क पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। तमाशबीनों ने तुरंत इस पूरे वाकये का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जयपुर से आई थी महिला, मेरठ तिराहे पर काटा गदर मिली जानकारी के मुताबिक, यह पूरी घटना हापुड़ कोतवाली के पास स्थित व्यस्त मेरठ तिराहे की है। हंगामा करने वाली महिला राजस्थान के जयपुर की रहने वाली बताई जा रही है। चश्मदीदों के अनुसार, महिला ने पास के ही एक ठेके से शराब

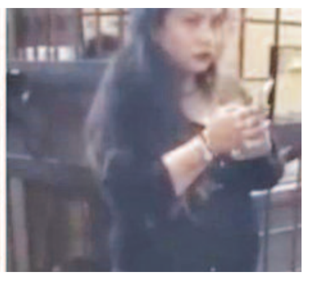

ली,उसे पिया और फिर अचानक उसका आपा खो गया। वह सड़क पर आने-जाने वाले लोगों और गाड़ियों के सामने हंगामा करने लगी।सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, पुलिस ने सिखाया सबक सड़क पर महिला को इस तरह हाईवोल्टेज ड्रामा करते देख वहां लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने तुरंत अपने मोबाइल निकालकर महिला का वीडियो बनाना शुरू कर दिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बड़ी कार्रवाई हंगामे के कारण सड़क पर गाड़ियों के पहिए थम गए और जाम की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची हापुड़ पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद महिला को हिरासत में लिया और थाने ले आई। पुलिस कर रही है पूछताछ पुलिस प्रशासन का कहना है कि महिला को हिरासत में लेकर कोतवाली लाया गया है, जहाँ उससे पूछताछ की जा रही है। महिला के इस बर्ताव के बाद पुलिस ने उसके परिजनों को भी सूचित कर दिया है ताकि मामले की पूरी सच्चाई सामने आ सके।

भारतीय किसान यूनियन (भानु) के पदाधिकारी किसानों की आवाज बुलंद करने में जुटे

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी के नेतृत्व में संगठन लगातार किसानों, मजदूरों और आम जनमानस की समस्याओं को उठाने का कार्य कर रहा है। संगठन के मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा, मीडिया प्रभारी सबलू खान तथा संगठन मंत्री लुकमान खान सहित सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने-अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ निर्वहन कर रहे हैं। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि किसानों की समस्याओं, ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाओं, मजदूरों के अधिकारों तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। यही कारण है कि संगठन के कार्यकर्ता 24 घंटे किसानों और

जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के पदाधिकारी समय-समय पर गांवों का दौरा कर किसानों की समस्याओं को सुनते हैं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क करते हैं। संगठन का उद्देश्य किसानों को उनका अधिकार दिलाना तथा उनकी आवाज को मजबूती के साथ उठाना है। जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने कहा कि संगठन किसानों के हितों की रक्षा के लिए सदैव संघर्षरत रहेगा। वहीं मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा, मीडिया प्रभारी सबलू खान और संगठन मंत्री लुकमान खान ने भी किसानों और मजदूरों के हित में निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया। क्षेत्र के किसानों ने भी संगठन की सक्रियता की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि भारतीय किसान यूनियन (भानु) भविष्य में भी उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाती रहेगी।

बहादुरगढ़ पुलिस ने दो मकान में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए गुरुवार को तीन शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ के थाना बहादुरगढ़ की पुलिस ने दो मकान में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए गुरुवार को तीन शातिर चोरों को धर दबोचा है। पुलिस ने तीन शातिर आरोपियों को गांव नगला गंदू चैक पोस्ट के पास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस को 2,01,200 रूपए नकद, अवैध असलहा व घटना में प्रयुक्त एक ईको गाड़ी बरामद की है आपको बता दें कि आरोपी शातिर

किस्म के अपराधी हैं जिनके विरुद्ध जनपद मेरठ, गाजियाबाद व हापुड़ में चोरी, डकैती, गैंगस्टर व हत्या समेत करीब डेढ़ दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। चोरों ने 16 मई 2026 की रात में थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव नगला गंदू में दो घरों को अपना निशाना बनाया था। इस दौरान चोर दोनों घरों में रखा कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान विनय पुत्र योगेंद्र निवासी मौ. विजय नगर थाना मोदीनगर जनपद गाजियाबाद, दिनेश पुत्र राजेंद्र उर्फ सुभाष निवासी गांव हैदरनगर थाना हापुड़ नगर जनपद हापुड़ तथा पुष्पेंद्र पुत्र राजेंद्र उर्फ सुभाष निवासी गांव हैदरनगर थाना हापुड़ नगर जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

डॉ. भुवन चंद्र पंथ के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई गति

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जनपद में नवागत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भुवन चंद्र पंथ के पदभार ग्रहण करने से स्वास्थ्य विभाग में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उनके अनुभव एवं प्रशासनिक दक्षता से जनपद की चिकित्सा व्यवस्था को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। जनपदवासियों को विश्वास है कि डॉ. पंथ के नेतृत्व में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा। सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार तथा मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य होंगे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिष्ठित गणों ने नवागत सीएमओ का स्वागत करते हुए आशा व्यक्त की है कि उनके मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में सकारात्मक बदलाव

देखने को मिलेगा। जनपद के नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उनके प्रयास निश्चित रूप से महत्वपूर्ण साबित होंगे।डॉ. भुवन चंद्र पंथ के आगमन से स्वास्थ्य विभाग में नई कार्यसंस्कृति, पारदर्शिता एवं जनसेवा की भावना को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। डॉक्टर पंथ ने कहा बहुत जल्द ही जनपद के सभी एमओआईसी से संयुक्त मीटिंग की जाएगी जो भी समस्याएं होगी उन पर चर्चा कर निष्पादन कर स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर की जाएगी।

नफीस अहमद मंसूरी भारतीय मंसूरी समाज के प्रदेश महासचिव मनोनीत किए गए

नितिन शर्मा

नूरपुर(वेलकम इंडिया)। भारतीय मंसूरी समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व प्रदेश की कार्यकारिणी की संस्तुति पर न्यू हैवन इंटर कॉलेज नूरपुर के प्रबंधक जनाब नफीस अहमद मंसूरी को भारतीय मंसूरी समाज के प्रदेश महासचिव उत्तर प्रदेश के पद पर मनोनीत किया गया है। भारतीय मंसूरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब युसूफ मंसूरी ने कहा 'कि नफीस अहमद मंसूरी को यह पद उनकी मेहनत, योग्यता, समाज सेवा व लगन को ध्यान में रखते हुए दिया गया है' नवनियुक्त प्रदेश महासचिव उत्तर प्रदेश नफीस अहमद मंसूरी ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर मंसूरी समाज की समस्याओं के समाधान

के लिए हमेशा प्रयासरत रहेंगे। तथा मंसूरी समाज को मजबूत व संगठित करने के लिए सबको साथ लेकर चलेंगे ।तथा मंसूरी समाज के प्रति अकीदत रखते हुए संगठन को मजबूत करने का अथक प्रयास करेंगे। और मंसूरी समाज की सेवा करते हुए संगठन के नियमों का पालन करेंगे। मनोनयन कार्यक्रम में अफजाल मंसूरी, राष्ट्रीय सचिव , शफीक मंसूरी ,जिला अध्यक्ष पंजाबी बाग दिल्ली, दिलशाद मंसूरी ,सफीक मंसूरी जिला अध्यक्ष संभल, हाजी एहसान मंसूरी ,सोनू मंसूरी, नईम मंसूरी , मोहम्मद उमैर राही, यामीन मंसूरी, शहजाद मंसूरी, सरताज मंसूरी, अली हसन मंसूरी, जाकिर हसन, राशिद हुसैन, प्रोफेसर जावेद मंसूरी मौजूद रहे।

3-बी गार्डन के निर्माण कार्य का शुभारम्भ मुख्यमंत्री द्वारा कृष्णा वट के पौधे का रोपण कर किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री आवास परिसर स्थित राजकीय उद्यान, सर्किट हाउस देहरादून में विकसित किए जा रहे 3-बी गार्डन (बी-फ्रेंडली, बटरफ्लाई-फ्रेंडली एवं बर्ड-फ्रेंडली) के निर्माण कार्य का शुभारम्भ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा कृष्णा वट के पौधे का रोपण कर किया गया।

इस उद्यान का विकास मधुमक्खियों, तितलियों एवं पक्षियों के संरक्षण व संवर्धन को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। इसके अंतर्गत परागण एवं जैव विविधता को बढ़ावा देने वाले विभिन्न प्रकार के पौधों का व्यापक स्तर पर रोपण किया जा रहा है। उद्यान के आसपास कीटनाशकों एवं अन्य हानिकारक रसायनों के उपयोग को प्रतिबंधित रखा जाएगा, जिससे प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखा जा सके।

इस विशेष उद्यान के निर्माण से मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन में भी महत्वपूर्ण योगदान प्राप्त होगा। साथ ही आमजन में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी यह उद्यान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री द्वारा उद्यान प्रभारी दीपक पुरोहित को इस प्रकार के उद्यान के विकास करने के निर्देश दिये गए थे। तत्पश्चात उपयुक्त प्रजातियों के पौधों के चयन एवं रोपण का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया था। उद्यान में जामुन, शहतूत, सहजन, कदम्ब, कपूर, गुड़हल, अमरूद, नीम, बांस, बॉटल ब्रश, टिकामा, जीनिया, कॉसमॉस, पेंटास, मिल्कवीड, पैशन फ्लावर, हमेलिया, इक्जोरा, लैंटाना, तुलसी, लैवेंडर, सूरजमुखी , रोजमेरी एवं पुदीना सहित अनेक प्रजातियों के पौधों का मिश्रित रूप से रोपण किया जा रहा है।

परिसर में स्थित जीर्ण-शीर्ण एवं वृद्ध वृक्षों के समीप नवीन पौधों के रोपण का कार्य भी प्रारम्भ किया गया है। इसके अतिरिक्त उच्च हिमालयी एवं पर्वतीय क्षेत्रों में पाए जाने वाले बांज, बुरांश, तेजपत्ता तथा पया प्रजाति के पौधों का रोपण भी विगत वर्ष से किया जा रहा है, जो वर्तमान में स्वस्थ वृद्धि के साथ परिसर की प्राकृतिक शोभा एवं विशिष्टता को बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने परिसर में संचालित पर्यावरणीय एवं जैव विविधता संवर्धन संबंधी कार्यों की सराहना करते हुए उद्यान विभाग को मधुमक्खी पालन गतिविधियों को मुख्यमंत्री आवास परिसर तथा निकटवर्ती क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर विकसित करने हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सचिव शैलेश बगौली, निदेशक उद्यान डॉ. आर.के. सिंह और नरेन्द्र यादव मौजूद थे।

एमवाई भारत के माध्यम से वीवीवीपी 2026 के पहले चरण का शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के युवा मामलों के विभाग ने मेरा युवा भारत (एमवाई भारत) के माध्यम से विकसित जीवंत ग्राम कार्यक्रम (वीवीवीपी) 2026 के पहले चरण का शुभारंभ किया है। यह एक अग्रणी युवा नेतृत्व वाली पहल है जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर भागीदारी को सुदृढ़ करना, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना और भारत के सीमावर्ती गांवों में सतत विकास को प्रोत्साहित करना है।

यह कार्यक्रम दो चरणों में कार्यान्वित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कुल 500 'एमवाई भारत' स्वयंसेवकों का चयन किया गया है। इनका चयन एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया, जिसमें 3 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया था। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वयंसेवकों को लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के चिन्हित सीमावर्ती गांवों में दो चरणों में तैनात किया जा रहा है। प्रथम चरण में 250 स्वयंसेवक 43 गांवों में गहन गतिविधियों में भाग ले रहे हैं, जबकि शेष 250 स्वयंसेवक इस महीने के अंत में 50 गांवों में द्वितीय चरण की गतिविधियों में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम युवा नागरिकों को सीमावर्ती गांवों में रहने और स्थानीय समुदायों के साथ सीधे जुड़ने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। गांववासियों, पंचायती राज संस्थाओं, स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों के साथ परस्पर बातचीत के माध्यम से, प्रतिभागी भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं, सांस्कृतिक विरासत, विकासात्मक आकांक्षाओं और रणनीतिक महत्व से प्रत्यक्ष रूप से परिचित होंगे। सात दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम को सीमा जागरूकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सामुदायिक जीवन, शासन, सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन, ग्राम विकास योजना, स्वयंसेवा और राष्ट्रीय एकता जैसे विषयगत क्षेत्रों के इर्द-गिर्द संरचित किया गया है। स्वयंसेवक घरेलू सर्वेक्षण करेंगे, ग्राम सभा की गतिविधियों में भाग लेंगे, स्वच्छता और पर्यावरण अभियानों में योगदान देंगे और गांवों में विकास के अवसरों की पहचान करने में सहायता करेंगे।

इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा 'नेशन फर्स्ट चैलेंज' का प्रचार-प्रसार है, जो एक राष्ट्रव्यापी अभियान है और ज़िम्मेदार नागरिकता एवं टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देता है। एमवाई भारत के स्वयंसेवक इस अभियान के पांच प्रमुख विषयगत क्षेत्रों : स्वदेशी उत्पादों का अंगीकरण, स्वस्थ खाना पकाने की विधियाँ, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग और ईंधन संरक्षण, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना और स्थानीय पर्यटन के लिए मुखर समर्थन की सक्रिय रूप से सहायता करेंगे। सामुदायिक संपर्क और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से, प्रतिभागी स्थानीय समुदायों को इन राष्ट्र-केंद्रित और पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदार प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है और राष्ट्र निर्माण की पहलों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना के अनुरूप है।

अड़ीग बाईपास पर अज्ञात वाहन ने बाइक सबार को मारी टक्कर, युवक गंभीर रूप से घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। अड़ीग बाईपास पर गुरुवार सुबह करीब दस बजे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र निवासी अड़ीग उम्र 25 वर्ष अपनी बाइक संख्या वढ 85 उफ4095 से घर से अड़ीग बाईपास पहुंचा ही था तभी सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने बाइक में सीधी टक्कर मार दी, टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक उछलकर सड़क पर जा गिरा उसके सिर, हाथ व पैर में गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तुरंत सीएचसी गोवर्धन ले जाया गया, जहाँ पर इलाज चल रहा है।

परिजनों ने अड़ीग पुलिस चौकी में तहरीर दी है, परिजनों का कहना है कि बाईपास के आस-पास दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। पुलिस से मांग की है कि फुटेज खंगालकर आरोपी वाहन व चालक की पहचान कर कार्रवाई की जाए। चौकी प्रभारी अड़ीग प्रदीप भदोरिया ने बताया कि तहरीर मिलते ही सीसीटीवी फुटेज चेक कराई जा रही है। जल्द ही आरोपी वाहन का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी।

नुक्कड़ नाटकों से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रहा निगम

शहर के तीन वार्डों में किया गया नुक्कड़ नाटकों का मंचन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम लोगों को नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक कर रहा है। आज भी नगर निगम के सहयोग से 'स्पेस' सोसायटी द्वारा शहर के तीन वार्डों में नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया और लोगों को स्वच्छता अपनाने, प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करने, कपड़े के थैलों का प्रयोग करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। मंचन के दौरान कलाकारों ने लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर वार्ड स्तर पर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने की श्रृंखला में आज वार्ड 54 नूर बस्ती दिनेश विहार में मदन भारती लिखित नुक्कड़ नाटक कचरा डॉन का मंचन किया गया। निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी व आई.ई.सी.(सूचना-शिक्षा और संचार) नोडल अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा ने रिबन काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बिगड़ने का ही परिणाम है कि आज हमें भीषण गरमी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने लोगों को अपने घर-आंगन में गार्डन/किचन गार्डन विकसित करने तथा अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। वार्ड 54 की स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष इसरार चौधरी का मंचन में विशेष सहयोग रहा।

वार्ड 17 घड़ी मलूक नंबर एक में नुक्कड़ नाटक मंचन का शुभारंभ वार्ड पार्षद संजीव कर्णवाल द्वारा किया गया। इसी कड़ी में वार्ड 45 मौहल्ला छिपियान में भी नुक्कड़ नाटक कर लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। मदन भारती ने गीला, सूखा, सेनेटरी एवं घरेलू हानिकारक कचरे के लिए चार अलग-अलग डस्टबिन रखने के लिए प्रेरित किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को संदेश दिया गया कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही सहारनपुर को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अमित तोमर व सुधाकर सहित नगर निगम टीम का विशेष रहा। समाजसेवी मुमताज देवबंदी, स्पेस सोसाइटी की प्रोजेक्ट मैनेजर राकेश कुमारी, फील्ड सुपरवाइजर वंदना, सुनीता एवं ज्योति आदि मौजूद रहे।

महंगाई, बेरोजगारी और पेपर लीक के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, यमुना प्रदूषण, ट्रैफिक जाम, पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस की बढ़ती कीमतों तथा नीट सहित विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं ने गुरुवार को जोरदार प्रदर्शन किया। महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकदम के नेतृत्व में कार्यकताओं ने होली गेट से कलेक्ट्रेट तक मार्च निकालकर केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आम जनता महंगाई की मार झेल रही है, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और लगातार हो रहे पेपर लीक से छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ गया है। साथ ही यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण और शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या पर भी चिंता जताई गई।

कांग्रेस कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा और जनसमस्याओं के समाधान की मांग की। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधानसभा चुनाव 2027: नूरपुर सीट से ओमकारी यादव ने सपा से ठोकी दावेदारी

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। इसी क्रम में नूरपुर विधानसभा क्षेत्र-24 से समाजवादी पार्टी की संभावित प्रत्याशी के रूप में ग्राम मेवा नवादा निवासी ओमकारी यादव ने अपनी दावेदारी पेश कर दी है।

उनके चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा के बाद क्षेत्र में राजनीतिक चचाओं का दौर शुरू हो गया है। ओमकारी यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) नीति को गांव-गांव तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। उनका दावा है कि क्षेत्र में उन्हें विभिन्न वर्गों का व्यापक समर्थन प्राप्त है और बड़ी संख्या में मतदाता उनके साथ जुड़े हुए हैं।

उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी वर्ष 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने समाजवादी पार्टी से टिकट की दावेदारी प्रस्तुत की थी। इस बार भी वह पूरी मजबूती के साथ संगठन के सामने अपनी बात रख रही हैं और कार्यकताओं के बीच लगातार जनसंपर्क कर रही हैं।

ओमकारी यादव ने कहा कि पिछड़ा वर्ग, दलित और अल्पसंख्यक समाज को एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाना होगा, जिससे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सपा की सरकार बनाने का सपना साकार हो सके। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनाव में अभी काफी समय है, लेकिन विभिन्न दलों के संभावित उम्मीदवारों द्वारा दावेदारी पेश किए जाने से नूरपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी माहौल बनना शुरू हो गया है। आने वाले समय में पार्टी नेतृत्व किसे उम्मीदवार बनाता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

सीएम धामी ने मई की पेंशन वन क्लिक के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी सभागार में राज्य स्तरीय सामूहिक जागरूकता अभिमुखीकरण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के तहत माह मई की पेंशन वन क्लिक के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित की। 09 लाख 74 हजार 338 लाभार्थियों के खाते में कुल 176 करोड़ 59 लाख 24 हजार की धनराशि का हस्तांतरण किया गया। इस अवसर पर धामी ने नशा मुक्त अभियान और वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और देखभाल की शपथ भी उपस्थित लोगों को दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ देश में जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक विस्तार हुआ है। मुख्यमंत्री ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए चार सूत्रीय रणनीति पर बल देते हुए कहा कि योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार, सरकारी प्रक्रियाओं का सरलीकरण, तकनीक का अधिकतम उपयोग तथा नियमित मॉनिटरिंग एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने आयोगों, परिषदों एवं समितियों के सदस्यों से जिलों और दूरस्थ क्षेत्रों का नियमित भ्रमण कर जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करने का आह्वान किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, भरत चौधरी, विधायक श्रीमती सविता कपूर, श्रीमती पार्वती दास,, भूपाल राम टम्टा, सचिव श्रीधर बाबू अद्दांकी, अपर सचिव प्रकाश चन्द्र, विभिन्न आयोगों, परिषदों एवं समितियों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष मौजूद थे।

के.पी. मलिक जी ने की जनपद के समस्त विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश, के.पी. मलिक जी के हापुड़ जनपद में आगमन पर प्रभागीय वनाधिकारी गौतम सिंह के द्वारा छिजारसी स्थित पुराने टोल पर उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात मंत्री के द्वारा जनपद स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के समस्त विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

अवगत कराया गया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन राज्य स्तर पर बड़े जोर-शोर से किया जाएगा, जिसके अंतर्गत इस वर्ष पूरे प्रदेश में 05 करोड़ वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। मंत्री के द्वारा हापुड़ जिले को आवंटित 1,95,000 वृक्षारोपण के लक्ष्य को जिले के समस्त अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित किए जाने हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही, मंत्री के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कलेक्ट्रेट परिसर में महोगनी पौध का रोपण कार्यक्रम भी किया गया ।

नये नियमों से घबराएं नहीं, ठीक से समझकर काम करें: नगरायुक्त

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के अनुपालन के सम्बंध में जनपद स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शाकुंभरी सभागार में किया गया।

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन की आवश्यकता और कानूनी प्रावधान, कचरा पृथक्करण, पुनर्चक्रण एवं संसाधन पुनर्प्राप्ति, कम्पोस्टिंग, बायोगैस और वेस्ट टू एनर्जी पर तकनीकी दृष्टिकोण तथा नगर निगम के लिए व्यवहारिक चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गयी। नगरायुक्त शिपू गिरि ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि नया नियम ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 का संशोधित और उन्नत रुप है। इसका मुख्य उद्देश्य शहरों और कस्बों में बढ़ते कचरे का वैज्ञानिक, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ प्रबंधन करना तथा स्वच्छ और स्वस्थ शहरी वातावरण बनाना है।

नगरायुक्त ने कहा कि नये नियमों से घबराने की नहीं बल्कि उसके उद्देश्यों को ठीक से समझकर गंभीरता के साथ उन पर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने निगम अधिकारियों को नियमावली 2026 का अनुपालन करने और जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

अपर नगरायुक्त मृत्युंजय ने कहा कि नये नियम में सर्कुलर इकोनॉमी की अवधारणा है। यह पूरी तरह से प्रकृति के चक्र से प्रेरित है, जिसमें कुछ भी बेकार नहीं जाता। उन्होंने कहा कि कचरे को फेंकने के बजाय उसका पुनः उपयोग पुनर्चक्रण और संसाधन पुनर्प्राप्ति करना है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक और संस्थान का दायित्व है कि कचरे का चार प्रकार-गीला कचरा, सूखा कचरा, सैनिटरी कचरा तथा विशेष देखभाल वाले कचरे के रुप में पृथक्करण सुनिश्चित करें। इससे रिसाईकलिंग और वैज्ञानिक निपटान आसान होता है। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ योगेंद्र कुमार ने बताया कि लैंडफिल पर निर्भरता कम करना नियमों का लक्ष्य है। उद्देश्य यह है कि अधिकतम कचरे का पुनर्चक्रण हो और कम से कम कचरा डंपिंग ग्राउंड में जाए। उन्होंने बल्क वेस्ट जनरेटर का चिह्नांकन कर ईबीडब्लूजीआर पोर्टल पर पंजीकरण कराने एवं सोर्स सेग्रीगेशन व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया।

कार्यशाला में अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रवीण शाह के अलावा विभिन्न नगर पंचायतों व नगरपालिकाओं के अधिशासी अधिकारी, मण्डी समितियों के सचिव, सीपीपीआरआई तथा स्टार पेपर मिल सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने तपोवन स्थित बजरंग सेतु का स्थलीय निरीक्षण किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन ने आज जनपद टिहरी गढ़वाल क्षेत्रांतर्गत तपोवन स्थित बजरंग सेतु का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता श्री ओम प्रकाश द्वारा सेतु की इंजीनियरिंग संरचना, तकनीकी विशेषताओं एवं निर्माण संबंधी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

मुख्य सचिव ने परियोजना की प्रगति एवं सुरक्षा मानकों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। तत्पश्चात मुख्य सचिव ने विकासखंड नरेंद्रनगर के अंतर्गत प्लास्डा स्थित हिलांस हिमालयन भोजनालय का निरीक्षण किया। हिलांस हिमालयन भोजनालय की संचालक बीना पुंडीर द्वारा भोजनालय में प्रतिदिन आने वाले ग्राहकों एवं दैनिक बिक्री से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की गई।

मुख्य सचिव ने भोजनालय परिसर के आसपास अधिकाधिक पौधरोपण सुनिश्चित करने तथा मेन्यू को स्पष्ट एवं सुव्यवस्थित रूप से डिस्प्ले करने के निर्देश दिए, जिससे पर्यटकों एवं आगंतुकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके।

मुख्य सचिव ने कहा कि स्थानीय स्तर पर पर्यटन एवं आजीविका से जुड़े ऐसे प्रयासों को और अधिक सशक्त किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय विकास को गति मिल सके।

वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग व्यवस्था वापस लेकर पूर्ववत उपभोक्ता हितैषी व्यवस्था लागू की जाए

बिजली व्यवस्था को और बेहतर बनाने हेतु उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस लेकर बिजली कर्मियों से संवाद आवश्यक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को अधिक प्रभावी, उत्तरदायी एवं उपभोक्ता हितैषी बनाने के उद्देश्य से मांग की है कि राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में लागू की गई वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग व्यवस्था के परिणामों की निष्पक्ष समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं और पूर्व की उपभोक्ता हितैषी व्यवस्था लागू की जाय। साथ ही बिजली कर्मियों के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित कर विद्युत सेवाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में ठोस पहल की जाए।

संघर्ष समिति के पदाधिकारी ई0 मुकेश गुप्ता ने कहा कि जिस प्रकार स्मार्ट मीटर एवं प्रीपेड स्मार्ट मीटर व्यवस्था के क्रियान्वयन के दौरान अनेक व्यावहारिक चुनौतियां सामने आई थीं, उसी प्रकार वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग व्यवस्था के लागू होने के बाद भी उपभोक्ताओं तथा फील्ड स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए आवश्यक है कि इस व्यवस्था के वास्तविक प्रभावों का व्यापक मूल्यांकन किया जाए और सुधारात्मक निर्णय लिए जाएं।

उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर उपभोक्ता सेवाओं के लिए सिंगल विंडो प्रणाली को अधिक प्रभावी एवं सुविधाजनक माना जाता है। पूर्व में विद्युत वितरण व्यवस्था में उपखंड अधिकारी (एसडीओ) एवं अधिशासी अभियंता के पास अपने क्षेत्र से संबंधित अधिकांश कार्यों का समन्वित दायित्व होता था, जिससे उपभोक्ताओं को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक ही स्थान पर संपर्क करने की सुविधा मिलती थी। वर्तमान व्यवस्था में 33 केवी एवं 11 केवी लाइनों, मीटरिंग, बिलिंग तथा अनुरक्षण (मेंटेनेंस) जैसे कार्य विभिन्न अधिकारियों एवं इकाइयों के बीच विभाजित कर दिए गए हैं। इससे कई बार उपभोक्ताओं को यह समझने में कठिनाई होती है कि उनकी समस्या के समाधान के लिए किस अधिकारी या कार्यालय से संपर्क किया जाए। परिणामस्वरूप शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब एवं असुविधा की स्थिति उत्पन्न हो रही है। संघर्ष समिति के पदाधिकारी अशोक कुमार ने कहा कि उसका प्रमुख उद्देश्य उपभोक्ताओं को५ गुणवत्तापूर्ण, सरल एवं त्वरित विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराना है।

इसी दृष्टि से वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग व्यवस्था को वापस लिया जाय और पूर्व की तरह सिंगल विंडो व्यवस्था लागू की जाए, जिससे उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा मिले और जवाबदेही भी सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के बिजली कर्मी उत्पादन, पारेषण एवं वितरण क्षेत्रों में निरंतर सुधार और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दिशा में और अधिक सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि कार्य वातावरण सहयोगात्मक एवं विश्वासपूर्ण बनाया जाए।

संघर्ष समिति के पदाधिकारी संजय यादव ने कहा कि नवंबर 2024 में पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण संबंधी निर्णयों तथा उसके बाद उत्पन्न परिस्थितियों का कार्य वातावरण पर प्रभाव पड़ा है। इसलिए आवश्यक है कि अनावश्यक तौर पर शांतिपूर्ण आंदोलन के कारण की गई समस्त उत्पीड़न की कारवाइयां वापस ली जाए, निकाले गए संविदा कर्मियों को तत्काल बहाल किया और सभी पक्षों के बीच संवाद एवं विश्वास का वातावरण विकसित किया जाए, जिससे विद्युत सेवाओं की गुणवत्ता और कार्यकुशलता में और अधिक सुधार हो सके।

संघर्ष समिति ने सुझाव दिया कि वितरण क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान के लिए बिजली कर्मियों के अनुभव एवं सुझावों का समुचित उपयोग किया जाए। इससे उपभोक्ता सेवाओं में सुधार, तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों में कमी तथा निगमों की कार्यक्षमता में वृद्धि सुनिश्चित की जा सकती है।

संघर्ष समिति के पदाधिकारी संतोष गुप्ता ने कहा कि उत्पादन निगम तथा ट्रांसको में प्राप्त सकारात्मक उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि उचित नीतिगत सहयोग, संसाधनों एवं सकारात्मक कार्य वातावरण के माध्यम से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उत्पादन निगम निरंतर लाभ अर्जित कर रहा है तथा पारेषण क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

संघर्ष समिति का विश्वास है कि प्रदेश के समर्पित एवं अनुभवी बिजली कर्मी, जिन्हें उत्पादन एवं पारेषण क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलताएं प्राप्त हुई हैं, वितरण क्षेत्र में भी गुणात्मक सुधार कर उत्तर प्रदेश के विद्युत वितरण निगमों को देश के अग्रणी संस्थानों की श्रेणी में स्थापित करने की क्षमता रखते हैं।

इस क्रम में आज भी संत कबीर नगर में विरोध करते हुए ई0 मुकेश गुप्ता, ई0 अनंत सिंह, सहायक लेखाकार संतोष गुप्ता, कार्यकारी सहायक अमरनाथ यादव, दिलीप सिंह, अशोक कुमार, भास्कर पांडेय, रितेश कुमार, अभिषेक त्रिपाठी, संजय यादव, हरिप्रसाद, ओमप्रकाश राय समेत अन्य विद्युत कर्मी मौजूद रहे।

5 हजार नि:शुल्क पौधों का वितरण,विश्व पर्यावरण दिवस पर होगा वृहद वृक्षारोपण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में युवा सेवा समिति द्वारा व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। राज्य स्तरीय यूथ अवॉर्डी एवं युवा सेवा समिति के अध्यक्ष रिजवान मुनीर के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को सेमरियावां क्षेत्र के बढ़यामाफी स्थित नूरुल करीम मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज में लगभग पांच हजार निःशुल्क पौधों का वितरण किया गया। इस दौरान लोगों को पौधों का वितरण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया तथा आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले वृहद वृक्षारोपण अभियान में सहभागिता करने का आह्वान किया गया। अभियान के तहत क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों और अन्य स्थानों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाएगा। रिजवान मुनीर ने बताया कि युवा सेवा समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष अभियान चलाया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष भी पांच हजार पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग वृक्षारोपण से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि समिति के सदस्य लगातार गांव-गांव जाकर, सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों के जरिए लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानव जीवन और प्रकृति एक-दूसरे के पूरक हैं। स्वच्छ, सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण के बिना मानव समाज की कल्पना अधूरी है। बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए पौधारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। प्रत्येक व्यक्ति यदि कम से कम एक छायादार या फलदार वृक्ष लगाए और उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। युवा सेवा समिति ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित वृहद वृक्षारोपण अभियान में सहभागी बनें तथा पर्यावरण संरक्षण के इस जनहित अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

प्रभारी मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने खटौली में नवनिर्मित मुख्यमंत्री आवासीय कंपोजिट विद्यालय का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। प्रभारी मंत्री/राज्यमंत्री ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम्य विकास, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, उ0प्र0 शासन एवं जनपद की प्रभारी मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने विकासखंड खलीलाबाद अंतर्गत खटौली में नवनिर्मित मुख्यमंत्री आवासीय कंपोजिट विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी, विधायक धनघटा गणेश चंद्र चौहान, जिलाधिकारी आलोक कुमार व मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने नवनिर्मित मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय में प्रयुक्त किया जा रहे ईटों की स्ट्रैंथ चेकिंग लोक निर्माण विभाग से कराए जाने हेतु निर्देशित किया तथा दीवारों में किए जा रहे प्लास्टर की गुणवत्ता की जांच हेतु प्रयोग किया जा रहे मसाले का सैंपल की जांच हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय भवन का निर्माण निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराया जाए।

झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप, ग्रामीणों ने लगाई सुरक्षा की गुहार

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली के दर्जनों ग्रामीण थाने पहुंचे और थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार से मुलाकात कर एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव का एक व्यक्ति लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर दबाव बनाता है तथा रुपये मांगने पर गंभीर आरोप लगाकर जेल भिजवाने की धमकी देता है।

थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली के ग्रामीणों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में बताया गया कि गांव निवासी खुर्शीद पुत्र रहीस समेत कई लोगों का उक्त व्यक्ति पर धन बकाया है। जब उससे रुपये वापस मांगे गए तो उसने कथित रूप से गोकशी जैसे गंभीर मामलों में झूठा फंसाने और जेल भिजवाने की धमकी दी।

आरोप है कि इसके बाद संबंधित व्यक्ति ने पुलिस को भ्रामक सूचना देकर झूठी शिकायत भी दर्ज कराई।ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी पहले भी कई लोगों के खिलाफ झूठी शिकायतें कर चुका है, जिससे गांव में भय का माहौल बना रहता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उक्त व्यक्ति आए दिन लोगों को धमकाने, झूठे मुकदमों में फंसाने तथा गांव का माहौल खराब करने का प्रयास करता है। ग्रामीणों ने हाथ जोड़कर शासन-प्रशासन से जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई और निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की।इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने पहुंचे और पुलिस अधिकारियों को अपनी समस्या से अवगत कराया।

थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए बताया कि पुलिस द्वारा मामले की जांच की गई है, जिसमें शिकायत में लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया असत्य पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मामले की जांच और कार्रवाई जारी है तथा झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत बाबूगढ़ पुलिस को सफलता, अवैध असलहा सहित एक अभियुक्त गिरफ्तार

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र मेरठ के निदेर्शानुसार जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के अंतर्गत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध असलहा बरामद किया है ।पुलिस द्वारा जनपद में अपराध एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना बाबूगढ़ पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध असलहा बरामद हुआ, जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अवैध हथियारों की रोकथाम के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

संतकबीरनगर पुलिस ने झपटमारी के मामले से सम्बन्धित 01 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

झपटमारी की 02 अदद मोबाईल एवं घटना में प्रयुक्त 01 अदद मोटर साइकिल बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 अनिल कुमार यादव, हे०का० धर्मेन्द्र कुमार, का0 सुनील कुमार पाल ने

मु0अ0सं0 469/2026 धारा 304(2) बीएनएस थाना कोतवाली खलीलाबाद से सम्बन्धित अभियुक्त सूरज यादव पुत्र अखिलेश यादव निवासी ग्राम समदहा थाना बखिरा जनपद संतकबीरनगर को झपटमारी की कुल 02 अदद मोबाइल एवं घटना में प्रयुक्त 01 अदद मोटर साइकिल के साथ नेशनल हाईवे सर्विस लेन से औद्योगिक क्षेत्र शमशान रोड के पास से गिरफ्तार किया गया ।

दिनाँक 03.06.2026 को वादी श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र स्व० श्री नरेन्द्र बहादुर सिंह निवासी विद्यानगर पुरानी तहसील थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर द्वारा थाना कोतवाली खलीलाबाद पर प्रार्थना पत्र दिया गया कि दिनांक 01.06.2026 को मैं बरदहिया सब्जी मंडी रोड से कलपित हास्पिटल की तरह जा रहा था तभी किसी अज्ञात व्यक्ति ने मेरे हाथ से मेरा मोबाइल छीन लिया ।

उक्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर मु0अ0सं0 469/2026 धारा 304(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था । मु0अ0सं0 469/2026 धारा 304(2) बीएनएस से सम्बन्धित मोबाईल बरामदगी पर अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी।

प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश दूबे ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ करने पर बताया कि मै घूम फिर कर भीड़ भाड वाले स्थानो पर मौका पाकर लोगो से मोबाइल छिन लेता हूँ।

दिनाँक 01.06.2026 को समय माता मंदिर के पीछे सब्जी मण्डी रोड से एक व्यक्ति से मैने बरामद फ्रउ्टक कम्पनी का मोबाइल छीना था तथा कुछ दिन पहले ही मैने ठअफ्ढ कम्पनी का मोबाइल बघौली के आगे पुल के पास से एक व्यक्ति से छीना था। मै छिनैती के मोबाइलो को घूम फिर कर अज्ञात लोगो से पैसा लेकर बेच देता हूँ । जो पैसा मिलता है, खाने पीने मे खर्च कर अपना खर्चा चलाता हूँ ।

भारतीय किसान यूनियन (देश हित) ने संगठन विस्तार को दी गति, दो पदाधिकारियों को सौंपी अहम जिम्मेदारी

राजेंद्र सिंह

हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (देश हित) के राष्ट्रीय प्रवक्ता मुकेश शर्मा के नेतृत्व में संगठन विस्तार अभियान के तहत दो नए पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं ।कार्यक्रम के दौरान किसन पाल पुत्र भगवत को गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा अध्यक्ष तथा भोले सिंह पुत्र महावीर सिंह को गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा महासचिव नियुक्त किया गया। दोनों पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर संगठन की नीतियों एवं किसानों के हितों के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया गया ।राष्ट्रीय प्रवक्ता मुकेश शर्मा ने कहा कि संगठन किसानों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन को मजबूत बनाने तथा गांव-गांव तक किसान हितों की आवाज पहुंचाने की अपेक्षा व्यक्त की। नियुक्ति के बाद किसन पाल और भोले सिंह ने संगठन के प्रति निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने तथा किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर संगठन के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार ने दो बाइक सवारों को मारी टक्कर, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के बुढ़ाना मार्ग पर गांव भभीसा बिजलीघर के समीप एक तेज रफ्तार कार ने लापरवाही से अलग-अलग बाइक पर सवार दो लोगो को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बुढ़ाना निवासी सादिन राजमिस्त्री का कार्य करता है। गुरुवार को वह कस्बे में काम समाप्त करने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहा था। वहीं दूसरी ओर गांव भारसी निवासी वंश भी बाइक से कांधला से अपने गांव जा रहा था।

बताया जाता है कि जैसे ही दोनों भभीसा बिजलीघर के निकट पहुंचे, तभी पीछे से तेज गति से आई एक कार ने पहले एक बाइक को और फिर दूसरी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों की मौके पर भीड़ जमा हो गई। और सूचना पुलिस और 108 एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत चिंताजनक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दियाकार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

आवारा कुत्ता बना हादसे की वजह, बाइक फिसलने से वृद्धा की मौत, दंपति गंभीर घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के एलम बाईपास मार्ग पर आवारा कुत्ते के अचानक बाइक के सामने आ जाने से हुए सड़क हादसे में एक वृद्ध महिला की मौत हो गई, जबकि दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। गुरूवार को जनपद बागपत के गांव टिकरी निवासी देवेंद्र अपनी पत्नी कविता तथा 70 वर्षीय माता जगवती के साथ बाइक से कैराना कोतवाली क्षेत्र के गांव गोगवान में एक रिश्तेदार की तेरहवीं में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम से लौटते समय उनकी बाइक दिल्ली-सहारनपुर हाईवे स्थित कस्बा एलम में गैस एजेंसी के निकट पहुंची। इसी दौरान अचानक एक आवारा कुत्ता बाइक के सामने आ गया। कुत्ते को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसल गई, जिससे बाइक पर सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल मे भर्ती कराया चिकित्सकों ने वृद्ध महिला को मृत घोषित कर दिया, और दंपति की की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

विधायक अनिल शर्मा ने बनेल-अल्लीपुर मार्ग निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर जारी रहेंगे प्रयास

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति प्रदान करते हुए विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री अनिल शर्मा ने गुरुवार को खुर्जाझपहासूझ छतारी (राज्य मार्ग संख्या-63) से ग्राम बनेल रजवाहे की पटरी होते हुए ग्राम अल्लीपुर तक प्रस्तावित सड़क के नवनिर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 2.75 करोड़ रुपये की लागत से इस सड़क का निर्माण कराया जाएगा।

पहासू के खुर्जा रोड स्थित ग्राम बनेल मोड़ पर मंदिर के निकट आयोजित कार्यक्रम में विधायक अनिल शर्मा ने जिला उपाध्यक्ष्य मलखान सिंह, मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह सहित हर्षवर्धन शर्मा बनेल के साथ संयुक्त रूप से फीता काटकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अनिल शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के साथ-साथ शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र में भी विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को बेहतर एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा स्थानीय विकास को नई दिशा प्राप्त होगी।

उन्होंने कहा कि यह मार्ग पहासू कस्बे में लगने वाले जाम को कम करने में भी सहायक सिद्ध होगा, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। विधायक ने कहा कि क्षेत्र की जनता को गुणवत्तापूर्ण सड़क, बिजली, पेयजल एवं अन्य आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि विधानसभा क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए उनके प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

कार्यक्रम के उपरांत विधायक ने क्षेत्रवासियों की समस्याएं भी सुनीं तथा उनके शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कई जनसमस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया गया।

इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य मनोज शर्मा, सुभाष प्रधान,दिनेश राघव, राकेश सिसोदिया, अमरीश गौतम, विमल राघव, संग्राम सिंह, हर्षवर्धन शर्मा, विजय चौधरी, स्वामी सोही, मोनू पाठक, संदीप शर्मा, मुकेश शर्मा, भगवान शर्मा, तरंगदीप शर्मा, जगदीश राघव, आकाश गर्ग, रिंकू शर्मा, ध्रुव शर्मा, पिंटू गोस्वामी, काशी तोमर, शिवम ठाकुर, मधुर शर्मा, गोपाल शर्मा, विक्रम ठाकुर आदि मौजूद रहे।

ढ़क्कन वाले डस्टबिन लेकर चलें खोमचा रेहड़ी संचालक

फास्टफूड जूस सेंटर संचालक भी रखें सफाई व्यवस्था माकूल

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। गंदगी स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है तथा बरती जा रही लापरवाही संक्रामक रोगों के फैलने का कारण बन सकती है। उक्त संदेश देते हुए अपील की गई कि चाट-पकौड़ी फास्ट-फूड, छोले भटूरे, दाल नान, छोले कुल्चे, चाऊमीन बर्गर, ढ़ाबे वाले, जूस विक्रेता आदि संचालक ढ़क्कन वाले डस्टबिन रखकर स्वच्छता अभियान का हिस्सा बनें तथा उक्त खाद्य सामग्री को बनाते व विक्रय करने के दौरान स्वच्छता बरतने में जरा भी लापरवाही न बरतें, ताकि संक्रामक रोगों के फैलने की गुंजाइश ही न बचे।

नगरपालिका के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर ललित त्रिवेदी ने अपने साथियों सहित स्याना में भ्रमण करते हुए संबंधित लोगों से संवाद के दौरान उपरोक्त बात कही। कहा कि स्वच्छ माहौल के दृष्टिगत ढक्कन वाले डस्टबिन का प्रयोग गत्ते के कार्टन व टीन के कनस्तरों से अत्यंत बेहतर है। चाट-पकौड़ी, फास्ट-फूड जूस आदि के सेवन के बाद ग्राहक पत्ते-दोनो अथवा गिलासों को खुले कार्टन व कनस्तर में डालेंगे तो निश्चित तौर पर मक्खी-मच्छर उन पर मंडराएंगे व बैठेंगे जोकि संक्रामक रोगों के मुख्य कारण हैं। ढ़क्कन वाले डस्टबिन पेटी में फेंकने से ऐसे कीटों को मौका ही नही मिलेगा। संवाद अभियान में अभय त्रिवेदी, अशरफ मीर, डॉ रोहित शर्मा, धर्मेंद्र कुमार, रिफाकत खान व अनिल वाल्मीकि साथ रहे।

क्षेत्र के विकाश के लिए विधायक प्रतिनिधि अदिति सिंह पटेल से निजी आवास पर हुआ मुलाकात सौंपा पत्र समाजसेवी सतीश तिवारी

संदीप तिवारी

मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। विधायक प्रतिनिधि अदिति सिंह पटेल आज दिनांक 4.6.2026 दिन गुरुवार समाजसेवी सतीश तिवारी के गांव मानापुर छतेरी उनके निजी आवास पर पहुंच समाजसेवी सतीश तिवारी से क्षेत्र व विकाश कार्यों के बारे मे जानकारी प्राप्त की। विधायक प्रतिनिधि अदिति सिंह पटेल समाज सेवी सतीश तिवारी के आवास मानापुर छतेरी पर पहुंच कर गांव के विकाश कार्यों के बारे मे जानकारी प्राप्त की समाजसेवी सतीश तिवारी ने विधायक प्रतिनिधि अदिति सिंह पटेल को गाँव के अनेक समस्या के बारे में जानकारी दी जैसे पानी की समस्या सड़क स्ट्रीट लाइट गरीब व असहाय लोगो के आवास के बारे में जानकारी दी। समाज सेवी सतीश तिवारी द्वारा भगवा रंग का गमछा पहनाकर व प्रभु रामचंद्र जी का फोटो भेंटकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मौजुद राजमन तिवारी, कन्हैया लाल तिवारी, समाजसेवी सेवी सतीश तिवारी,बेचू तिवारी,राजेश तिवारी,अवधेश तिवारी,रामविलास पटेल, सत्यप्रकाश मिश्रा, किशोरी सेठ, लालबहादुर पटेल, आयुष तिवारी,अमित पटेल,अशोक पटेल, आदर्श यादव,आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

अंबेहटा के पूनम मित्तल हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा: पुलिस मुठभेड़ में मुख्य हत्यारोपी घायल, साथी भी गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर/नकुड़(वेलकम इंडिया)। कस्बा अंबेहटा में बीती एक जून को व्यापारी संजय मित्तल की पत्नी पूनम मित्तल की घर में घुसकर की गई नृशंस हत्या के मामले का थाना नकुड़ और स्वॉट/सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम ने सफल अनावरण कर दिया है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद हत्या में शामिल दोनों शातिर आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस टीम अंबेहटी-गंगोह बाईपास पर गश्त कर रही थी, तभी बाइक सवार एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर जंगल के रास्ते भागने लगा। पुलिस द्वारा पीछा करने पर आरोपी ने जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। तेज रफ्तार होने के कारण उसकी बाइक फिसलकर गिर गई। इसके बाद भी वह पॉपलर के बाग में छिपकर फायरिंग करता रहा। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें मुख्य आरोपी सलमान पुत्र सुलेमान निवासी मोहल्ला गाड़ान, अंबेहटापीर के दाहिने पैर में गोली लग गई। घायलावस्था में उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने सलमान के कब्जे से 1 तमंचा, कारतूस, घटना में इस्तेमाल चाकू, मृतका के कान का एक कुंडल और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। वहीं, घटना में शामिल दूसरे आरोपी अंकुर गुप्ता पुत्र राधेश्याम गुप्ता निवासी मोहल्ला झाबरी को मुखबिर की सूचना पर खेड़ा अफगान मार्ग से गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से मृतका के कान का दूसरा कुंडल बरामद हुआ। पूछताछ में घायल बदमाश सलमान ने बताया कि वह और अंकुर गुप्ता गहरे दोस्त हैं और दोनों पर काफी कर्ज था। अंकुर ने योजना बनाई कि उसके पड़ोस में रहने वाले बड़े कॉस्मेटिक व्यापारी संजय मित्तल के घर में काफी कैश रहता है और दोपहर में उनकी पत्नी घर पर अकेली रहती हैं। योजना के तहत 1 जून को दोपहर करीब 3:30 बजे दोनों घर की पहली मंजिल पर पहुंचे। अंकुर ने पूनम मित्तल को चाची कहकर आवाज दी और कहा कि उनकी गेंद घर में आ गई है। जैसे ही महिला ने गेट खोला, दोनों अंदर घुस गए। जब महिला से कैश के बारे में पूछा तो उसने अनभिज्ञता जताई। घर में कैश न मिलने पर दोनों ने महिला के कान के कुंडल लूट लिए। चूंकि महिला ने उन्हें पहचान लिया था, इसलिए पकड़े जाने के डर से अंकुर ने महिला के हाथ पकड़े और सलमान ने चाकू से उसका गला रेत दिया। दोनों ने आपस में एक-एक कुंडल बांट लिया था और आज कहीं दूर भागने की फिराक में थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। सराहनीय कार्य करने वाली संयुक्त टीम में प्रभारी निरीक्षक देवेश कुमार शर्मा (थाना नकुड़), प्रभारी निरीक्षक सुनील शर्मा (एसओजी), स्वाट टीम प्रभारी नीरज पंवार, उपनिरीक्षक अक्षय शर्मा, देवेंद्र अधाना, रविंद्र धामा, रणवीर सिंह और हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल शामिल रहे।

नवागत अधीक्षण यंत्री एम के गर्ग का फेडरेशन ने किया अभिनंदन

मदन वर्मा

इंदौर(वेलकम इंडिया)। अधीक्षण यंत्री, शहर वृत इन्दौर के पद पर धार से आये श्री एम के गर्ग का आज अभिनंदन स्वागत, मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन व्दारा झोनल सेक्रेटरी एन के यादव के प्रतिनिधित्व में किया गया। श्री गर्ग ने इस अवसर पर कहा कि फेडरेशन सकारात्मक सोच रखने वाला श्रमिक संघ है जो विपरीत परिस्थितियों में भी प्रबंधन को सहयोग करता है, मौसम परिवर्तन हुवा, प्रकृति ने रौद्र रुप दिखाया, आंधी तूफान बारिश से विद्युत व्यवधान हुवा लेकिन आप लोगों की तत्परता से बाधित विद्युत व्यवस्था निर्बाध रूप से सुचारू हो गई। हम लोग आपसी सहयोग से हर बाधा दूर कर लेंगे। स्वागत, अभिनंदन कर्त्ताओं में मदन वर्मा 'माणिक', उम्मेदसिंह राजपूत, जेएल जोशी, स्वाति वक्ते, शालिनी, जयेश अहिरवार, मोनू स्वामी, आशीष परमार, संजय सकरगाये, वीरेंद्र कुमार मिश्रा के साथ अनेक साथीगण उपस्थित रहे।

नये नियमों से घबराएं नहीं, ठीक से समझकर काम करें: नगरायुक्त

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। नगर निगम द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के अनुपालन के सम्बंध में जनपद स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शाकुंभरी सभागार में किया गया। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन की आवश्यकता और कानूनी प्रावधान, कचरा पृथक्करण, पुनर्चक्रण एवं संसाधन पुनर्प्राप्ति, कम्पोस्टिंग, बायोगैस और वेस्ट टू एनर्जी पर तकनीकी दृष्टिकोण तथा नगर निगम के लिए व्यवहारिक चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गयी। नगरायुक्त शिपू गिरि ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि नया नियम ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 का संशोधित और उन्नत रुप है। इसका मुख्य उद्देश्य शहरों और कस्बों में बढ़ते कचरे का वैज्ञानिक, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ प्रबंधन करना तथा स्वच्छ और स्वस्थ शहरी वातावरण बनाना है। नगरायुक्त ने कहा कि नये नियमों से घबराने की नहीं बल्कि उसके उद्देश्यों को ठीक से समझकर गंभीरता के साथ उन पर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने निगम अधिकारियों को नियमावली 2026 का अनुपालन करने और जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। अपर नगरायुक्त मृत्युंजय ने कहा कि नये नियम में सर्कुलर इकोनॉमी की अवधारणा है। यह पूरी तरह से प्रकृति के चक्र से प्रेरित है, जिसमें कुछ भी बेकार नहीं जाता। उन्होंने कहा कि कचरे को फेंकने के बजाय उसका पुनः उपयोग पुनर्चक्रण और संसाधन पुनर्प्राप्ति करना है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक और संस्थान का दायित्व है कि कचरे का चार प्रकार-गीला कचरा, सूखा कचरा, सैनिटरी कचरा तथा विशेष देखभाल वाले कचरे के रुप में पृथक्करण सुनिश्चित करें। इससे रिसाईकलिंग और वैज्ञानिक निपटान आसान होता है।

थाना कोतवाली देहात पुलिस ने वारण्टी अभियुक्त दबोचा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर जनपद की थाना कोतवाली देहात पुलिस ने एक वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। बता दे कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के निर्देशन में अपराध नियंत्रण व वांछितध्वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक हृदय नारायण सिंह के कुशल नेतृत्व में आज थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम द्वारा एक वारंटी अभियुक्त विनोद पुत्र धर्मपाल निवासी गाँव सरकडी शेख थाना कोतवाली देहात सहारनपुर को ग्राम सरकडी शेख से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार वारंटी अभियुक्त के विरुद्ध अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही कर समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

पंचायत राज विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रोपे जाएंगे 31000 पौधे

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत सामुदायिक शौचायलयों की महिला केयरटेकर के प्रशिक्षण में विकास भवन स्थित सभागार में उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुबोध कुमार ने कहा कि स्वच्छता एवं सुरक्षित पशुपालन से महिला केयरटेकर अपनी आमदनी बढ़ाएं।

डॉ0 सुबोध कुमार ने विभाग की योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए महिला केयर टेकरों को स्वच्छ सुरक्षित एवं विकसित समाज बनाने के लिए पशुपालन करने के लिए भी अभिप्रेरित किया। प्रशिक्षण में जानकारी दी गयी कि पंचायत राज विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 31000 पौधे रोपे जाएंगे। प्रत्येक पंचायत सचिवालय, आर.आर.सी. सेंटर, सामुदायिक शौचालय पर पौधे रोपित किए जाएंगे। मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी अभियान के अन्तर्गत तालाबों पर भी पौधे रोपे जायेगें। सामुदायिक शौचालयों कि महिला केयर टेकरों ने एक पेड़ मां के नाम सामुदायिक शौचालयों पर लगाने एवं बचाने का संकल्प लिया।

इससे पूर्व संदीप कुमार एवं आशीष सिंह जिला स्वच्छता सलाहकार द्वारा स्वच्छता के सात आयाम पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सामुदायिक शौचालय महिला केयरटेकर की भूमिका के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। विकासखंड साढौली कदीम के सामुदायिक शौचालय महिला केयरटेकर के प्रशिक्षण में अजय कुमार खंड स्वच्छता प्रेरक, प्रदीप पुंडीर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), अंकित कुमार खंड स्वच्छता प्रेरक ने विशेष सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन देव भास्कर पांडेय द्वारा किया गया।

विकास की दौड़ में हमसे छिन गया स्वच्छ वातावरण: शीतल टंडन

पर्यावरण संरक्षण के लिए वन विभाग के प्रभागीय निदेशक शुभम सिंह से की व्यापक चर्चा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की जिला इकाई की पर्यावरण समिति के तत्वावधान में गांधी पार्क उद्यान में एक जनजागरण अभियान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष शीतल टंडन ने पर्यावरण संरक्षण और बढ़ते प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त की। शीतल टंडन ने कहा कि प्रदूषित पर्यावरण को कम करने व निरंतर वनों के कटान को रोकने के लिए जनजागरण अभियान चलाने की नितांत आवश्यकता है। प्रकृति द्वारा मानव को दी गई अनमोल संपत्ति हमारे वन हैं, जो लगातार कम होते जा रहे हैं। यदि यही स्थिति रही तो धरती पर जीवन सुरक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि अब जबकि सहारनपुर को स्मार्ट सिटी में शामिल किया जा चुका है, तो हम सबका दायित्व है कि हम अपने आसपास साफ-सफाई रखें, औषधियुक्त पेड़ लगाएं और वायु, ध्वनि व जल प्रदूषण की रोकथाम करें। शीतल टंडन ने कहा कि विकास की दौड़ और विज्ञान ने हमें नई तकनीकें व उद्योग तो दिए हैं, लेकिन हमसे शांत और स्वच्छ वातावरण का वरदान छीन लिया है। आज मोबाइल फोन के जरिए संपर्क करना आसान जरूर हुआ है, लेकिन इसके अत्यधिक प्रयोग से होने वाले नुकसानों के प्रति हमें जागरूक रहना होगा। अभिभावकों को भी बच्चों द्वारा मोबाइल के अत्यधिक इस्तेमाल पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यावरण की शुद्धि के लिए समय-समय पर यज्ञ आदि करने चाहिए और समाज को वैचारिक प्रदूषण से भी मुक्त होना होगा। शीतल टंडन ने बताया कि पूरे जनपद में पर्यावरण जागरूकता के लिए उन्होंने प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग शुभम सिंह से व्यापक चर्चा की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विकास प्राधिकरण, नगर आयुक्त शीपू गिरि और मेयर डा. अजय कुमार सिंह विभिन्न संगठनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप पूरा सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम श्प्रकृति से प्रेरित-जलवायु के लिए-हमारे भविष्य के लिएश को सफल बनाने का आह्वान किया। इस जनजागरण अभियान के दौरान मुख्य रूप से जिला महामंत्री रमेश अरोड़ा, जिला कोषाध्यक्ष कर्नल संजय मिड्ढा, स. जसविन्दर सिंह अरोड़ा, मुरली खन्ना, संजीव सचदेवा, के.पी. सैनी, पीयूष कुमार और सौरभ कर्णवाल सहित कई व्यापारी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

छह माह के मासूम को सांप ने डसा, उपचार के दौरान मौत से परिवार में कोहराम

वेलकम इंडिया संवाददाता

नरसेना। थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर कलां में एक दर्दनाक घटना में छह माह के मासूम की सांप के काटने से मौत हो गई। मासूम की मौत से परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर कलां निवासी नितिन का छह माह का पुत्र तेजश बुधवार को घर पर था। इसी दौरान उसे सांप ने काट लिया। परिजनों ने बच्चे की हालत बिगड़ने पर उसे विभिन्न स्थानों पर उपचार के लिए दिखाया, लेकिन उसकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। काफी प्रयासों के बावजूद मासूम को बचाया नहीं जा सका और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी इस दुखद घटना को लेकर शोक का माहौल बना हुआ है।

पंजाबी संगठन एवं महिला पंजाबी संगठन ने डॉ. रमेश चन्द्र भाटिया को श्रद्धांजलि अर्पित की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। प्रसिद्ध चिकित्सक, समाजसेवी एवं पंजाबी संगठान मोदीनगर के संस्थापक सदस्य तथा संरक्षक डॉ. रमेश चन्द्र भाटिया जी पंजाबी संगठन से जुड़े लोगों ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

पंजाबी संगठन के अध्यक्ष अजय ग्रोवर एवं महिला पंजाबी संगठन की अध्यक्षा डॉक्टर शालिनी नैयर ने कहा कि डॉ. भाटिया जी केवल एक कुशल चिकित्सक ही नहीं थे, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा का पर्याय थे। उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन को समाज सेवा, जरूरतमंदों की सहायता एवं जनकल्याण के कार्यों के लिए समर्पित किया। गरीब एवं असहाय लोगों के लिए वे सदैव एक मसीहा के रूप में खड़े रहे।

उनकी चिकित्सा सेवा, विनम्र व्यवहार एवं परोपकार की भावना ने अनगिनत लोगों के जीवन को स्पर्श किया। पंजाबी संगठान मोदीनगर की स्थापना से लेकर आज तक उनका योगदान सदैव प्रेरणादायक रहा। संस्थापक सदस्य के रूप में उन्होंने संगठन को मजबूत आधार प्रदान किया तथा संरक्षक के रूप में निरंतर मार्गदर्शन देते रहे। संगठन की प्रत्येक बैठक, सामाजिक कार्यक्रम एवं जनहित गतिविधियों में उनकी सक्रिय सहभागिता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है। उनके निधन से न केवल उनका परिवार, बल्कि पूरा चिकित्सा जगत, पंजाबी समाज और मोदीनगर नगर एक अभिभावक, मार्गदर्शक एवं सच्चे समाजसेवी को खो बैठा है। उनके द्वारा किए गए सेवा कार्य और उनके आदर्श सदैव हमारे हृदयों में जीवित रहेंगे। उनके पुत्र डा० गौरव भाटिया भी उन्ही के पद चिन्हों पर चलते हुए एक कुशल दन्त चिकित्सक एवं समाज सेवी हैं तथा पंजाबी संगठन, मोदीनगर के कोषाध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान कर रहें है एवं समाज सेवा के कार्यों में लगे हुऐ हैं।ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

मोदीनगर के विकास हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट, महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर हुई चर्चा

=अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बागपत के सांसद डॉ राजकुमार सांगवान के साथ नगर पालिका परिषद मोदीनगर के चेयरमैन विनोद वैशाली व निवाड़ी नगर पंचायत के अध्यक्ष अनिल त्यागी,नगर पंचायत पतला के चेयरमैन देवेंद्र चौधरी ने शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर मोदीनगर नगर क्षेत्र के समग्र विकास एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक के दौरान मुख्य रूप से सिखेड़ा रोड स्थित बड़े नाले के निर्माण, मोदीनगर को इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित करने एवं उन्नयन से संबंधित प्रस्ताव मुख्यमंत्री जी के समक्ष प्रस्तुत किए गए।

मुख्यमंत्री जी ने प्रस्तावों को गंभीरता से सुना तथा क्षेत्र के विकास के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त किया।इस अवसर पर नगर पंचायत पतला के चेयरमैन देवेंद्र चौधरी एवं नगर पंचायत निवाड़ी के चेयरमैन अनिल त्यागी भी उपस्थित रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने एवं जनसुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। मोदीनगर क्षेत्र के विकास हेतु यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक मानी जा रही है, जिससे क्षेत्र में आधारभूत संरचना एवं औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत,आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मुरादनगर राधा कुंज कॉलोनी में दस दिन पूर्व राहुल नामक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत पर पुलिस कार्यवाही से क्षुब्ध होकर मृतक के परिजनों ने थाने पर जमकर हंगामा किया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई।कालोनीवासी महिला सरोज ने पुलिस से दस दिन पूर्व बताया था कि उसके बेटे राहुल की 27मई को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत में उसकी पत्नी और ससुराल पक्ष का हाथ हैं। दोनों के बीच लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी विवाद के कारण उनके बेटे के साथ कोई अनहोनी हुई है। लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अब तक कोई कार्यवाही नही की हैं,जिससे क्षुब्ध मृतक के परिजनों ने थाने पर जमकर हंगामा किया। ओर पुलिस कार्यप्रणाली के प्रति रोष प्रकट किया। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।एसीपी मसूरी भास्कर वर्मा ने बताया कि मामले की जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्य कर विभाग द्वारा व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राज्य कर मोदीनगर द्वारा व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के विषय मे जानकारी देते हुए उपायुक्त राज्य कर अनिल कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापारियो, उद्यमियों एवं राज्य कर विभाग के मध्य संवाद स्थापित कर व्यापार से संबंधित समस्याओं, सुझावो एवं योजनाओं पर चर्चा करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ व्यापारी नेता डाँ0 पवन सिंघल द्वारा की गई। कार्यक्रम मे व्यापारियों द्वारा जीएसटी तथा ऑनलाइन व्यापार से जुड़ी चुनौतियों तथा स्थानीय व्यापार को बढावा देने जैसे विषयो पर अपने सुझाव एवं समस्याएं प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के दौरान राज्य कर अधिकारियों ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

राज्य कर उपायुक्त अनिल कुमार ने कहा कि व्यापारी वर्ग प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार सदैव प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने जीएसटी की विभिन्न योजनाओं से व्यापारियो को अवगत कराया।इस अवसर पर सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के मेरठ मंडल अध्यक्ष प्रदीप बाँस, वरिष्ठ सलाहकार एड0 अरूण राघव तथा मोदीनगर अध्यक्ष मेहराम चंदेला, महामंत्री हिमान्शु सिंघल अपनी समस्त टीम के साथ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम मे राज्य कर विभाग की तरफ से उपायुक्त अनिल कुमार, सहायक आयुक्त ईशा गौतम, राज्य कर अधिकारी संदीप सत्यार्थी, एड0 अरूण राघव, एड0 विपिन सिंघल, एड0 धीरज गोयल, एड0 आरिफ बेग, एड0 सचिन गोयल, एड0 सचिन माहेश्वरी, सीए हेमन्त तिवारी, एड0 उपेन्द्र शर्मा, सीए आशीष गौतम, लोकेश कुमार, कपिल कुमार, दिनेश कुमार, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश तायल, लघु उद्योग भारती अध्यक्ष राजीव शर्मा, यशवीर यादव, सुनील कुमार, व्यापारी नेता प्रवीण मित्तल, आकाश भूटानी सहित सैकड़ों व्यापारी व उद्यमी उपस्थित रहे।

थानाध्यक्ष के सराहनीय कार्य के लिए किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। खोड़ा में सूर्या हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त असद का एनकाउंटर करने वाले नरेश कुमार शर्मा थानाध्यक्ष खोड़ा मकनपुर को सम्मानित करने के लिए अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी डी शर्मा और और सभा के पदाधिकारी थाना अध्यक्ष को सम्मानित करने थाना खोडा पहुंचे। उनके साथ राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज, राष्ट्रीय सचिव हुकुमचंद शर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विनीतकांत पराशर,राष्ट्रीय प्रवक्ता शिवकुमार शर्मा जिला अध्यक्ष बुद्ध प्रकाश शर्मा, महानगर अध्यक्ष नीरज कौशिक पूर्वांचल अध्यक्ष मनोज तिवारी खोडा निवासी घनश्याम तिवारी और उनके साथ आए अनेक ब्राह्मण बंधुओं ने थानाध्यक्ष के सराहनीय कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया।

जिलाधिकारी ने खोला तरक्की का द्वार, सरस शॉप से महिलाओं के सपनों को मिला नया बाजार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गौतमबुधनगर। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विकास भवन में संचालित सरस शॉप का शुभारंभ जिलाधिकारी ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का अवलोकन किया और उनकी गुणवत्ता की सराहना करते हुए खरीदारी भी की। सरस शॉप महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का सशक्त मंच उपलब्ध कराएगी।

दुकान में मसाले, अचार, पापड़, जूट बैग, सैनिटरी पैड, हस्तशिल्प सामग्री, खादी वस्त्र, शहद समेत विभिन्न उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं और अपने परिश्रम तथा कौशल से आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल कायम कर रही हैं।

उन्होंने महिलाओं को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास ग्रामीण महिलाओं को रोजगार, सम्मान और आत्मविश्वास प्रदान कर रहे हैं। जिला विकास अधिकारी ने बताया कि सरस शॉप के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को व्यापक बाजार उपलब्ध होगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' से आगे बढ़कर 'करोड़पति दीदी' बनने का सपना साकार कर सकेंगी। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, परियोजना निदेशक नेहा, अखिलेश प्रजापति (एनआरएलएम), डॉ. सपना आर्य तथा स्वयं सहायता समूहों की सदस्य महिलाएं मौजूद रहीं।

डिप्टी कमांडर ने कैंप तथा 35 यूपी एनसीसी वाहिनी मोदीनगर निरीक्षण किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। 35 बटालियन एनसीसी द्वारा बटालियन कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पीयूष कुमार सिंह तथा एडम ऑफिसर गुरमीत सिंह गुजराल के नेतृत्व में एस आर एम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी एन सी आर मोदीनगर में चलने वाले संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के छठे दिन ग्रुप हैडक्वार्टर गाजियाबाद के डिप्टी कमांडर कर्नल अंकुर सेना मैडल शौर्या चक्र, का कैंप में आगमन हुआ। कैंप में एनसीसी कैडेटों द्वारा उन्हें ऑफ गार्ड हॉनर दिया गया। डिप्टी कमांडर ने कैंप तथा 35 यूपी एन सी सी वाहिनी मोदीनगर निरीक्षण किया और 35 यूपी बटालियन के नेतृत्व में चलाए जा रहे कैंप में गार्ड ऑफ हॉनर, कैडेटों का अनुशासन, रहन सहन , खान पान की व्यवस्था की बहुत प्रशंशा की।उन्होंने कैडेटों से अपने कैडेट से कर्नल बनने तथा सेना मैडल, शौर्य चक्र प्राप्त करने की उपलब्धियों को साझा किया। कैंप में आज ड्रोन की कार्य शैली और उसके लाभ समझाने के लिए विशेष कक्षाएं चलाई गई, जिसमें कैडेटों ने ड्रोन चलना सीखा। डिप्टी कमांडर जी के आगमन पर सुबेदार मेजर लेफ्टिनेंट परमानंद, कैप्टन रजनीश जिंदल, लेफ्टिनेंट अमित कुमार, फर्स्ट ऑफिसर रितेश राय, सेकेंड ऑफिसर गुडडु गुप्ता, सी टी ओ डॉ ए- कथिरेशन, एनसीसी इंस्ट्रक्टर देवराज सिराधना, बी एच एम पंकज कुमार, सुबेदार, सूर्यमान घाले, गर्ल कैडेट इंस्ट्रक्टर सोनिया तथा ज्योती आदि उपस्थित रहे।

राशन वितरण में अनियमितताओं की शिकायत पर एसडीएम के निर्देश पर गठित टीम ने की पड़ताल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ग्राम सिखेड़ा हजारी में राशन वितरण में कथित अनियमितताओं की शिकायत मिलने पर प्रशासन हरकत में आ गया। शिकायतकर्ता कौशल ने उप जिलाधिकारी (एसडीएम) मोदीनगर को लिखित शिकायत देकर राशन की दुकान पर कम राशन वितरण, कालाबाजारी और अन्य अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम के निर्देश पर जांच टीम गठित की गई। गठित टीम में नायब तहसीलदार मुकेश शर्मा, सप्लाई इंस्पेक्टर शैलेश सिंह तथा सीएफओ दीपा वर्मा शामिल रहीं।

टीम ने गांव पहुंचकर राशन विक्रेता बबीता द्वारा संचालित दुकान का निरीक्षण किया तथा वितरण संबंधी अभिलेखों और स्टॉक रजिस्टर की जांच की। शिकायतकर्ता कौशल एवं ग्रामीणों ने जांच टीम के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं।

शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि कुछ लाभार्थियों को निर्धारित मात्रा से कम राशन दिया जा रहा है, जबकि राशन वितरण में अन्य अनियमितताएं भी बरती जा रही हैं। टीम ने शिकायतों के संबंध में ग्रामीणों के बयान दर्ज कर आवश्यक जानकारी जुटाई।

जांच के दौरान अधिकारियों ने राशन वितरण से जुड़े दस्तावेजों का सत्यापन किया और संबंधित पक्षों से पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट तैयार कर उप जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी तथा यदि शिकायत सही पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह के स्वागत में उमड़ा भाजपा का जनसैलाब, कार्यकताओं ने किया भव्य अभिनंदन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री तथा गाजियाबाद के जिला प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह के गाजियाबाद महानगर में प्रथम आगमन पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में हजारों कार्यकताओं की मौजूदगी ने संगठन की एकजुटता और उत्साह का परिचय दिया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और जोरदार नारों के साथ प्रभारी मंत्री के स्वागत के लिए पहुंचे। कार्यक्रम में महानगर के सभी 20 मंडलों के अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चों, प्रकोष्ठों एवं प्रकल्पों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंचने पर धर्मपाल सिंह का फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा परिसर भाजपा के नारों से गूंज उठा। नेताओं और कार्यकताओं ने प्रभारी मंत्री के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प भी दोहराया। कार्यक्रम में महानगर महामंत्री गौरव चोपड़ा, प्रदीप चौहान, पंकज भारद्वाज, राजन वाल्मीकि, सचिन डेढ़ा, रनीता सिंह, प्रीति चंद्र राय, अनीता शर्मा, भानु सिसोदिया, विनोद कसाना, राम त्यागी तथा मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा सहित हजारों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। स्वागत समारोह के दौरान संगठनात्मक एकता, अनुशासन और पार्टी के प्रति समर्पण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। प्रभारी मंत्री के प्रथम आगमन को लेकर कार्यकताओं में खासा उत्साह रहा, जिससे कार्यक्रम एक यादगार आयोजन बन गया।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को जनआंदोलन बनाएं, पर्यावरण संरक्षण में निभाएं अपनी भागीदारी : डीएम

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने जनपदवासियों से 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक नागरिक को इस दिशा में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

डीएम ने कहा कि एक पौधा लगाकर और उसकी देखभाल कर हम न केवल अपनी माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त कर सकते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण भी दे सकते हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, उद्योगपतियों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों से अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनकी सहभागिता से पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण से प्रदूषण नियंत्रण, भूजल संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

डीएम ने जनपदवासियों से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक पौधरोपण कर गाजियाबाद को हरित, स्वच्छ और पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध बनाने में योगदान देने का आह्वान किया।

मोदी सरकार के 12 साल पूरे: गाजियाबाद में 17 दिन चलेगा विकास, जनकल्याण और जनजागरण का महाअभियान

5 जून से 21 जून तक वृक्षारोपण, स्वास्थ्य मेले, विकास प्रदर्शनी, किसान कार्यशालाएं और योग कार्यक्रम होंगे आयोजित

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गाजियाबाद में 5 जून से 21 जून तक '12 साल विकास के, विश्वास के, जनकल्याण के' अभियान चलाया जाएगा। विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में जनपद प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने अभियान की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि सभी कार्यक्रम 'सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान' के मूल मंत्र पर आधारित होंगे।

उन्होंने बताया कि अभियान की शुरूआत विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम से होगी। इसके तहत बड़े स्तर पर वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त अभियान और पर्यावरण संरक्षण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसके बाद जनसंपर्क अभियान, 'सरकार आपके द्वार' शिविर, स्वास्थ्य मेले, विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, विकास प्रदर्शनी और प्राकृतिक खेती कार्यशालाओं के माध्यम से सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाया जाएगा।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान सादगी, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण, ईंधन बचत और जनभागीदारी को विशेष महत्व दिया जाएगा। पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि चौपाल और जनसमस्याओं के समाधान के कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

गाजियाबाद दौरे के दौरान धर्मपाल सिंह ने विकास भवन में विभागीय समीक्षा बैठक कर विभिन्न योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने नंदी पार्क पहुंचकर गौसेवा की तथा गौ संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

साहिबाबाद स्थित सिल्वर स्पून होटल में आयोजित संगठनात्मक बैठक में उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं को संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण और जनसंपर्क अभियान को लेकर मार्गदर्शन दिया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि गाजियाबाद महानगर के 2,244 बूथों और 362 सेक्टरों पर अभियान को प्रभावी ढंग से चलाकर केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाया जाएगा।

ओमकार अपहरण कांड पर गनौली में फूटा गुस्सा, डीसीपी और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गांव गनौली में चर्चित ओमकार अपहरण कांड को लेकर गुरुवार को माहौल उस समय गरमा गया, जब पीड़ित परिवार और ग्रामीणों से बातचीत करने पहुंचे डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी को लोगों के तीखे सवालों का सामना करना पड़ा। मामले में पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट ग्रामीणों और किसान नेताओं ने खुलकर नाराजगी जताई, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अपहरण कांड में अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है और आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से तत्काल गिरफ्तारी और मामले के शीघ्र खुलासे की मांग करते हुए चेतावनी दी कि न्याय मिलने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

इस दौरान किसान नेताओं और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई। ग्रामीणों का कहना था कि वे अब अन्याय के खिलाफ चुप नहीं बैठेंगे और दोषियों की गिरफ्तारी तक संघर्ष जारी रखेंगे। वहीं डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने अफवाहों से दूर रहने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। करीब कुछ समय तक चले हंगामे और बहस के बाद पुलिस अधिकारियों ने लोगों को शांत कराया तथा निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। हालांकि अपहरण कांड को लेकर गांव में अभी भी आक्रोश और चिंता का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि न्याय मिलने तक उनकी आवाज बुलंद रहेगी, जबकि पुलिस का दावा है कि मामले में जल्द ही महत्वपूर्ण प्रगति देखने को मिलेगी।

दिल्ली अग्निकांड के बाद गाजियाबाद में फायर अलर्ट, 23 होटल-रेस्टोरेंटों पर चला सुरक्षा अभियान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दिल्ली के मालवीय नगर में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद गाजियाबाद प्रशासन और अग्निशमन विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। महानिदेशक अग्निशमन एवं आपात सेवा, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर गुरुवार को जिले भर में होटल, गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंटों की सघन जांच की गई। इस दौरान 23 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें चार स्थानों पर अग्नि सुरक्षा व्यवस्था में खामियां मिलने पर तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। अग्निशमन विभाग की टीमों ने आरडीसी, इंदिरापुरम, वसुंधरा, लोनी, मोदीनगर और साहिबाबाद क्षेत्रों में अभियान चलाकर फायर सेफ्टी सिस्टम की जांच की। निरीक्षण के दौरान वसुंधरा स्थित होटल हवेली, आरडीसी के हल्दीराम, एडीआर होटल और द क्लासिक टावर में सुरक्षा मानकों की कमी पाई गई। संबंधित प्रबंधन को अग्निशमन उपकरणों और सुरक्षा व्यवस्थाओं को शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

जांच के साथ-साथ होटल एवं रेस्टोरेंट कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में बचाव कार्य, अग्निशमन यंत्रों के उपयोग और आपातकालीन निकासी के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया गया। अधिकारियों ने निकास मार्गों को अवरोधमुक्त रखने, ज्वलनशील पदार्थों के सुरक्षित भंडारण तथा विद्युत वायरिंग की नियमित जांच कराने पर विशेष जोर दिया। इसी क्रम में नगर आयुक्त के निर्देश पर गाजियाबाद नगर निगम परिसर में फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों को आग से बचाव और अग्निशमन यंत्रों के प्रभावी उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

अधिकारियों का कहना है कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि किसी भी संभावित अग्नि दुर्घटना को रोका जा सके।

सूर्या हत्याकांड पर सरकार का बड़ा एक्शन: परिवार को मिलेगा शस्त्र लाइसेंस, घर पर तैनात होगी सुरक्षा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। खोड़ा के चर्चित सूर्या चौहान हत्याकांड में प्रदेश सरकार ने पीड़ित परिवार की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप गुरुवार को पीड़ित परिवार से मिलने उनके आवास पहुंचे और हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

परिजनों द्वारा सुरक्षा संबंधी चिंता जताए जाने पर मंत्री ने मौके से ही जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त से बातचीत कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने परिवार के एक सदस्य को प्राथमिकता के आधार पर शस्त्र लाइसेंस उपलब्ध कराने तथा घर पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूर्या चौहान हत्याकांड के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। गौरतलब है कि बकरीद के दिन खोड़ा क्षेत्र में सूर्या चौहान की दिनदहाड़े चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया था और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग उठाई थी। घटना के बाद से कई मंत्री, सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि पीड़ित परिवार से मुलाकात कर चुके हैं। वहीं प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई पर पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हुई हैं। सरकार ने साफ संकेत दिए हैं कि पीड़ित परिवार की सुरक्षा और न्याय में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी।

मॉर्निंग वॉकर्स को लूटने वाले स्नैचर गैंग से पुलिस की मुठभेड़, दो बदमाश गोली लगने से घायल

कपिल चौहान

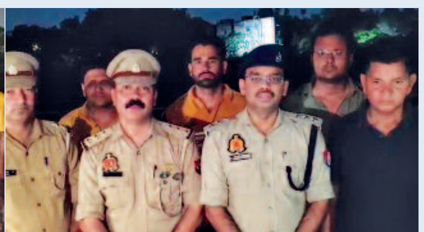

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नगर जोन की स्वाट टीम और सिहानीगेट थाना पुलिस ने संयुक्त अभियान के तहत मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों को निशाना बनाकर स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों के पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि उनके एक साथी को मौके से दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार और कारतूस भी बरामद किए हैं। गुरुवार को मुखबिर से सूचना मिली कि स्नेचिंग की घटनाओं में शामिल कुछ आरोपी लोहियानगर स्थित हमदर्द ग्राउंड के पास आने वाले हैं। सूचना के आधार पर स्वाट टीम नगर जोन और थाना सिहानीगेट पुलिस ने संयुक्त रूप से घेराबंदी कर संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगे और खुद को घिरा देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दो बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे घायल होकर गिर पड़े। तीसरे आरोपी को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपियों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से दो अवैध तमंचे, चार जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सुबह टहलने निकलने वाले लोगों को निशाना बनाकर मोबाइल, चेन और अन्य कीमती सामान छीनने की वारदातों को अंजाम देते थे। सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। उनसे पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों और स्नेचिंग की कई घटनाओं के खुलासे की संभावना है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई को शहर में सक्रिय स्नैचर गिरोहों के खिलाफ पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

8 साल का इंतजार खत्म: वार्ड-25 में नाले का निर्माण तेज, पार्षद कन्हैयालाल ने किया निरीक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वार्ड संख्या-25 के निवासियों की वर्षों पुरानी मांग अब पूरी होती दिखाई दे रही है।

NHI के बराबर बनाए जा रहे नाले के निर्माण कार्य का निरीक्षण पार्षद कन्हैयालाल ने स्थानीय नागरिकों के साथ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जल निकासी की समस्या को देखते हुए पिछले लगभग आठ वर्षों से नाले की मांग की जा रही थी, लेकिन पूर्व कार्यकाल में इस दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।

पार्षद कन्हैयालाल ने बताया कि जनता के हित को सर्वोपरि रखते हुए उन्होंने अपने कार्यकाल की शुरूआत में ही इस महत्वपूर्ण परियोजना को प्राथमिकता दी और संबंधित विभागों से स्वीकृति दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए। उनके प्रयासों का परिणाम है कि आज नाले का निर्माण कार्य कई महीनों से युद्धस्तर पर जारी है।

उन्होंने कहा कि नाले के निर्माण से क्षेत्र में बरसात के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान होगा।

वर्षों से सड़कों और गलियों में पानी भरने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नाले के पूरा होने के बाद जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी और नागरिकों को राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान कॉलोनीवासियों ने भी निर्माण कार्य पर संतोष जताते हुए पार्षद का आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि लंबे समय से लंबित इस समस्या के समाधान से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

पार्षद कन्हैयालाल ने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वार्ड के विकास और जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए उनका प्रयास लगातार जारी रहेगा। नाले का निर्माण पूरा होने के बाद क्षेत्रवासियों को जलभराव जैसी गंभीर समस्या से काफी हद तक निजात मिलने की उम्मीद है।

सूर्य नगर में एसी बना आग का कारण, फायर टीम की फुर्ती से बची बड़ी दुर्घटना

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सूर्य नगर स्थित एक फ्लैट में एयर कंडीशनर (एसी) में लगी आग ने कुछ समय के लिए हड़कंप मचा दिया। हालांकि फायर सर्विस की तत्परता और कुशल कार्रवाई के चलते आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया। गुरुवार सुबह 10:23 बजे सूचना प्राप्त हुई कि सूर्य नगर के फ्लैट संख्या उ-209, द्वितीय तल में एसी में आग लग गई है। सूचना मिलते ही फायर सर्विस यूनिट तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुंचने पर पाया गया कि आग एसी से शुरू होकर कमरे के अंदर तक फैल चुकी थी। फायर कर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए मोटर फायर इंजन (एमएफई) से पंपिंग कर आग पर नियंत्रण पाया और उसे पूरी तरह बुझा दिया। आग की चपेट में आने से फ्लैट का घरेलू सामान जलकर क्षतिग्रस्त हो गया।

अग्निशमन विभाग ने बताया कि आग से प्रभावित फ्लैट निवासी अनुपमा आनंद पुत्री वी.एम. कोहली का है।

इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फायर सर्विस की त्वरित कार्रवाई के कारण आग को अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया गया, जिससे संभावित बड़े नुकसान को टाल दिया गया। अग्निशमन कार्य पूरा होने के बाद फायर विभाग की टीम ने मौके पर मौजूद लोगों को अग्नि सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए और वापस फायर स्टेशन लौट गई। फायर सर्विस की समय पर की गई कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया और किसी भी व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचा।